नई दिल्ली
सोमवार
21 सितंबर 2026
वर्ष: 13, अंक: 18
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सद्भावना टुडे
आवाज़ अधिकार की

थाईलैंड के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने किया...पेज-05
DELHIN/2014/58158
देवभूमि की लोक संस्कृति हमारी पहचान एवं नई पीढ़ी...पेज-08

एक नजर

एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को टाटा ट्रस्ट्स ने दी चुनौती

नई दिल्ली। देश में परोपकार और सामाजिक विकास के कार्यों का नेतृत्व करने वाला एक प्रमुख धर्मार्थ ट्रस्टों का समूह टाटा ट्रस्ट्स ने एन. चंद्रशेखरन को फिर से कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त करने के टाटा संस बोर्ड के 17 सितंबर के फैसले की वैधता को चुनौती दी है। टाटा ट्रस्ट्स ने रविवार को जारी एक बयान में तर्क दिया कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत ट्रस्ट द्वारा नामित निदेशकों के बहुमत का समर्थन अनिवार्य है। चेयरमैन का निर्णायक मत इस शर्त को दरकिनार नहीं कर सकता। ट्रस्ट्स ने कहा कि निदेशक मंडल बैठक में कोई गतिरोध नहीं था और दो नामित निदेशकों में एक के विरोध के बाद यह प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं माना जा सकता। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह के निदेशक मंडल में यह विवाद पिछले सप्ताह उस समय गहरा गया, जब टाटा संस के निदेशकों ने कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रशेखरन के नए कार्यकाल को मंजूरी अपनी दे दी। इस मतदान को समूह के सबसे बड़े शेयरधारक ने अवैध करार दिया है।

टाटा संस में लगभग दो-तिहाई हिस्सेदारी रखने वाले परोपकारी ट्रस्टों के समूह के प्रमुख नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के खिलाफ अकेला वोट दिया था, जबकि निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के दूसरे नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने इस विस्तार का समर्थन किया था। टाटा समूह की कंपनी टाटा संस में करीब दो-तिहाई हिस्सेदारी रखने वाले परोपकारी ट्रस्टों के समूह के प्रमुख नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के खिलाफ अकेला वोट दिया था, जबकि निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट्स के दूसरे नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने इस विस्तार का समर्थन किया था। उल्लेखनीय है कि टाटा संस के निदेशक मंडल ने एन चंद्रशेखरन को कार्यकारी चेयरमैन के रूप में 5 साल का एक और कार्यकाल देने के पक्ष में 4-1 से मतदान किया था। इससे पहले चंद्रशेखरन ने अगला कार्यकाल नहीं लेने की बात कही थी, लेकिन निदेशक मंडल के पुनर्विचार के अनुरोध के बाद वह इस पद पर बने रहने के लिए सहमत हो गए थे।

सरिता विहार सड़क दुर्घटना में 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के सरिता विहार में रविवार तड़के सड़क किनारे सुरक्षित शहर परियोजना के तहत सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम कर रहे कर्मचारियों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन कर्मचारियों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार डंपर चालक की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, हादसा आज तड़के 3:20 बजे हुआ। नोएडा की तरफ से आ रहा डंपर, रोड नंबर-13 पर खड़ी क्रेन और ऑटो में जा घुसा। उस समय ऑटो में सुरक्षित शहर परियोजना के कर्मचारी मौजूद थे और सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम चल रहा था। हादसे में संगम विहार निवासी उमेश (23) और प्रवीण (35) की मौत हो गई। इनके अलावा कंपनी के एचआर मैनेजर सूरज (34) की भी जान चली गई। जबकि संगम विहार निवासी आकाश (20), अनूप (26) और रोहिणी निवासी खेम सिंह (40) घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संगम विहार निवासी सुधीर हादसे में सुरक्षित बच गए। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

एसआईआर दिल्ली में आडवाणी, निर्वाचन आयुक्त संधू समेत कई दिग्गजों को नोटिस

चुनाव आयोग ने दी सफाई-इसका मतलब मतदाता सूची से नाम हटाना नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जानकारी में विसंगतियों एवं मैपिंग संबंधी गड़बड़ियों के कारण कई हस्तियों को नोटिस जारी हुए हैं। इनमें पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, निर्वाचन आयुक्त एसएस संधू, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित कई नाम शामिल हैं। दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची में लगभग 97 लाख मतदाताओं के नाम हैं। इनमें से 33.13 लाख मतदाताओं के गणना फॉर्म में पाई गई विसंगतियों के कारण उन्हें नोटिस के लिए चिन्हित किया गया है। विवाद के बीच निर्वाचन आयोग को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा। आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को जारी किए गए नोटिस का यह मतलब नहीं है कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।

दिल्ली के सीईओ द्वारा नोटिस पाने वाले अन्य प्रमुख लोगों में नयी दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सचदेवा, सीपीएम सांसद जॉन ब्रिटास की पत्नी और बेटा, सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे, प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद, स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला, मत्स्य सचिव अभिलक्ष लिखी और उनकी पत्नी एवं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी, उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा और भूमि संसाधन सचिव नरेंद्र भूषण भी शामिल हैं। वित्त मंत्रालय में व्यय सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम, वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष रहे दिवंगत बिबेक देबरॉय का नाम भी नोटिस पाने वालों में शामिल है। नोटिसों के निपटारे की प्रक्रिया 29 अक्तूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

बिना उचित सुनवाई के दिल्ली मतदाता सूची से नाम नहीं हटाया जा सकता है: सीईओ

नई दिल्ली। दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं कि उनका नाम दिल्ली की मतदाता सूची से हटा दिए जाएगा। उन्होंने वीआईपी मतदाताओं को नोटिस जारी होने को लेकर साफ किया है कि उपरोक्त श्रेणियों के डेटा को ईसीआईनेट (भारत निर्वाचन आयोग का नया इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म) में सुधारने के लिए सिस्टम जनरेटेड नोटिस जारी किए जा रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 31 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस दिए जाने को लेकर दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्थिति स्पष्ट की। दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने रविवार को एक नोट जारी करते हुए कहा कि दिल्ली की मतदाता सूची में से सुनवाई का अवसर दिए बिना और उचित अपील योग्य आदेश के बिना किसी भी नाम को नहीं हटाया जा सकता है। नोटिस प्राप्त होने पर मतदाता संबंधित ईआरओ/बीएलओ को जवाब और दस्तावेज जमा कर सकते हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया कि ईसीआई द्वारा निर्धारित दस्तावेजों की सूची केवल सांकेतिक है, संपूर्ण नहीं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों और बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक मामले में अंतिम निर्णय लेंगे। नोटिसों का निपटारा एसआईआर के कार्यक्रम के अनुसार 29 अक्तूबर तक पूरा कर लिया जाएगा और मतदाताओं के नाम 4 नवंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

विकास की गति सुरक्षित रखते हुए जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता बढ़ाने की जरूरतः राष्ट्रपति

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि संधारणीय वनीकरण का वास्तविक लक्ष्य केवल 'पेड़ लगाना' नहीं बल्कि स्वस्थ और स्व:निर्भर पारिस्थितिक तंत्रों को फिर से स्थापित करना है। राष्ट्रपति ने यह बात आज दिल्ली में राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा 'पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का भविष्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में कही। उन्होंने कहा, 'हमें पारंपरिक ज्ञान पर आधारित लोक केन्द्रित एवं समुदाय आधारित अनुकूलन तरीकों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के प्रयास करने चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव अस्तित्व के अनेक स्तरों पर असंतुलन पैदा करता है। जैव-विविधता का ह्रास, जल संकट और भू-क्षरण जैसी समस्याएं इससे गहराई से जुड़ी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका पर भी गंभीर प्रभाव सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जटिल चुनौती का समुचित प्रकार से सामना करने के लिए नीतियों और कार्रवाई का एक सुगठित ढांचा आवश्यक है। ऐसी व्यवस्था, जिसमें केवल सरकारें और कानूनी विशेषज्ञ ही नहीं बल्कि वे समुदाय भी सक्रिय रूप से भागीदार हों, जिनको जलवायु परिवर्तन सर्वाधिक प्रभावित करता है। ग्रामीण और वनवासी समाज, छोटे किसान, महिलाएं तथा अन्य कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं के प्रति विशेष संवेदनशीलता आवश्यक है क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं का सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं पर पड़ता है। राष्ट्रपति ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां, स्थानीय समुदायों की प्रथाएं और उनके जीवन के अनुभव जलवायु अनुकूलन की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक ज्ञान पर आधारित लोक-केन्द्रित एवं समुदाय आधारित अनुकूलन तरीकों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के प्रयास करने चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता को बढ़ाने में संधारणीय वनीकरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जैव विविधता का पोषण करने वाला और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वनीकरण इसमें सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को ऐसा मार्ग तय करना चाहिए जो विकास की गति को सुरक्षित रखते हुए जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता बढ़ाए। जिम्मेदार जलवायुपरक उपायों की प्रतिबद्धताएं देश की विकास संबंधी आवश्यकताओं और आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। वे तकनीकी रूप से व्यवहार्य भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने युवाओं और जन-साधारण को जोड़कर पर्यावरण चेतना बढ़ाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है।

जोधपुर के आसमान में भारतीय और जापानी वायु सेना प्रमुखों ने उड़ाया तेजस

नई दिल्ली। जोधपुर में चल रहे हवाई अभ्यास 'वीर गार्डियन' के दौरान रविवार को भारतीय वायु सेना प्रमुख और जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स चीफ ने तेजस फाइटर में उड़ान भरी, जबकि साथ में सुखोई-30 एमकेआई भी आसमान में गरजा। भारत-जापान के लिए इस हवाई पल ने एयर पावर और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के शानदार प्रदर्शन को और बढ़ाया। यह उड़ान इंडिया और जापान के बीच बढ़ते डिफेंस सहयोग और ऑपरेशनल जुड़ाव को दिखाती है।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल ताकेहिरो मोरिता ने एयर फ़ोर्स स्टेशन जोधपुर में एक्सरसाइज वीर गार्डियन के दौरान लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1 में अलग-अलग उड़ान भरी। दोनों एयर चीफ इस एक्सरसाइज के हिस्से के तौर पर उड़ान भरने से पहले अपने-अपने एयरक्राफ्ट की ओर बढ़े। दोनों देशों के बीच 9 सितंबर से शुरू हुई

एक्सरसाइज 'वीर गार्डियन' 22 सितंबर तक चलेगी। इस द्विपक्षीय ड्रिल में दोनों देशों के फ्रंटलाइन फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल हैं, जिसमें भारत के तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, राफेल जेट और जापान के एफ-2ए फाइटर जेट शामिल हैं। इस एक्सरसाइज का मकसद इंटरऑपरेबिलिटी और डिफेंस कोऑपरेशन को मजबूत करना है। यह द्विपक्षीय हवाई अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है, जब 10 सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्सरसाइज 'वीर गार्डियन' में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो के अपने फाइटर एयरक्राफ्ट भेजने को इंडिया-जापान डिफेंस पार्टनरशिप के लिए 'खास माइलस्टोन' बताया था।

उपराष्ट्रपति 22 सितंबर को करेंगे नौवें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्घाटन

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के बीच जल सुरक्षा और जल प्रबंधन को अधिक सक्षम बनाने पर केंद्रित 9वां भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह मंगलवार (22 सितंबर) से शुरू होगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 22 सितंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। पांच दिवसीय आयोजन में जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन, जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग, तकनीक, वित्तपोषण और सामुदायिक भागीदारी के जरिए जल सुरक्षा को मजबूत करने पर मंथन होगा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग संगठनों, विकास साझेदारों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के सहयोग से 22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम में इसका आयोजन का किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। इस वर्ष भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का विषय 'जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन' रखा गया है।

अर्धसत्य को बताकर भारत की छवि धूमिल करने की हो रही है कोशिशः योगी आदित्यनाथ

नोएडा,एजेंसी। नोएडा के गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय परिसर में प्रेरणा शोध संस्थान द्वारा आयोजित 'प्रेरणा विमर्श 2026' का समापन हुआ। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। 'नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान' पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन अवसर पर सीएम योगी ने 'प्रेरणा विचार' और 'केशव संवाद' पत्रिका के 2026-27 अंक का आधिकारिक विमोचन भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम' के गायन के साथ देशभक्तिपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन चेतना ही उसकी वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं और भारत की परंपरा में भी सभी पूजा पद्धतियों के सम्मान की भावना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की यही विशेषता उसे दुनिया में अलग पहचान देती है। 'नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान' विषय पर आयोजित

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिन:' की भावना दी है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी विचारों पर रोक नहीं लगाई, बल्कि दुनिया के हर हिस्से से अच्छे विचारों को स्वीकार करने की परंपरा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार और सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी पूजा पद्धति पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया और सभी को अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावना भी समानता और सभी के अधिकारों की रक्षा से जुड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति कभी एकांगी नहीं रही। यहां अलग-अलग विचारों और परंपराओं के लिए स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि 'सत्य एक है, उस तक पहुंचने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की इसी सोच ने देश को विविधता के बावजूद एकता में बांधे रखा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्य, असत्य और अर्धसत्य में अंतर समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अर्धसत्य कभी सत्य नहीं हो सकता और कुछ लोग अर्धसत्य के माध्यम से भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों और युवाओं को किसी भी विषय को तथ्यों और संविधान की भावना के अनुरूप समझने की जरूरत है।सीएम योगी ने कहा कि भारत ने संकट के समय दुनिया के अलग-अलग समुदायों को शरण और सम्मान दिया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम का मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि एसआईआर के तीसरे चरण में अब तक करीब 32 फीसदी मतदाता प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह लगभग हर तीसरे मतदाता का नाम या तो मतदाता सूची से हटाया गया है या अतिरिक्त दस्तावेज मांगे जाने के कारण उसके नाम पर अनिश्चितता बनी हुई है।

रमेश ने रविवार को आधिकारिक बयान में कहा कि आयोग ने जून 2025 में बिहार से एसआईआर का पहला चरण शुरू किया था। इसके बाद नवंबर 2025 में नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरा चरण शुरू किया

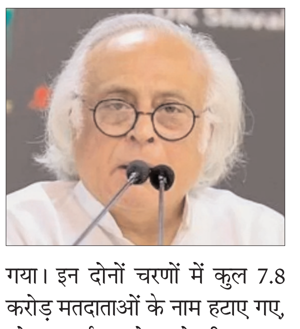

गया। इन दोनों चरणों में कुल 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए, जो एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का करीब 13 फीसदी था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के मध्य में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का तीसरा चरण शुरू हुआ। जयराम रमेश ने 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के उपलब्ध आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कुल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ यानी 17 फीसदी से अधिक के नाम हटाए गए हैं। इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं यानी करीब 15 फीसदी को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के नोटिस दिए गए हैं। उन्होंने दोनों आंकड़ों को जोड़ते हुए कहा कि करीब 32 फीसदी मतदाताओं के मताधिकार पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने राज्यवार आंकड़े देते हुए दावा किया कि दिल्ली में 53.73 फीसदी, चंडीगढ़ में 52.58 फीसदी, तेलंगाना में 48.90 फीसदी, झारखंड में 39.57 फीसदी, हरियाणा में 37.5 फीसदी, उत्तराखंड में 35.71 फीसदी, मेघालय में 35.36 फीसदी, महाराष्ट्र में 33.88 फीसदी, कर्नाटक में 27.6 फीसदी, ओडिशा में 23.67 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 21.17 फीसदी और पंजाब में 15.23 फीसदी मतदाता प्रभावित हुए हैं।

भाजपा-आरएसएस के सिस्टम को सवाल पूछने वाले छात्र नहीं, अंधभक्त चाहिए: राहुल

सद्भावना टुडे,संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार और भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा-आरएसएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा राजनीतिक 'सिस्टम' सवाल पूछने वाले छात्रों के बजाय ऐसे युवाओं को चाहता है जो सवाल न पूछें। भारत जोड़ो मैदान में छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने दावा किया कि छात्र सवाल पूछते हैं और इसी वजह से मौजूदा व्यवस्था उनसे असहज महसूस करती है। उनके इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'सिस्टम बनाम छात्र' रहा।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और उद्योगपतियों गौतम अडानी तथा मुकेश

अंबानी का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि देश की संस्थाओं और व्यवस्था पर कुछ प्रभावशाली लोगों का नियंत्रण है। ये उनके राजनीतिक आरोप हैं, जिन पर संबंधित पक्षों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं रही हैं।

कार्यक्रम में सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे छात्रों ने भी अपनी समस्याएं राहुल गांधी के सामने रखीं। अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षाओं में देरी, परिणाम लंबित रहने, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी परेशानियों का मुद्दा उठाया। मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी और व्यापम से संबंधित शिकायतों का भी उल्लेख किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के बिना कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा डिग्रियां हासिल करने के बावजूद रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं और छात्रों पर भविष्य को लेकर दबाव है। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस के सिस्टम को सवाल पूछने वाले छात्र नहीं, बल्कि 'अंधभक्त' चाहिए, जबकि कांग्रेस ऐसा भारत चाहती है जहां छात्र अपनी बात खुलकर रख सकें। राहुल गांधी ने छात्रों को जिज्ञासु, निडर, सहनशील और सवाल पूछने वाला वर्ग बताते हुए कहा कि देश में नफरत और हिंसा के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। राहुल गांधी ने शिक्षा को देश की नींव बताते हुए सरकार की शिक्षा नीति और खर्च को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा पर बजट में हिस्सेदारी कम हुई है, बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियां बंद हुई हैं और शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। उन्होंने सरकारी स्कूलों के बंद होने तथा छात्रों के लिए हॉस्टल की कमी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी इमारत गिरने की घटना का उल्लेख करते हुए छात्रों के लिए सुरक्षित आवास की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में हादसे में जान गंवाने वाले छात्र अर्पित जाज के परिजन भी पहुंचे और उन्होंने अपनी पीड़ा साझा की।

हरितालिका तीज नारी के संकल्प और शक्ति की गाथा: सीएम

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में 'हरितालिका तीज महोत्सव' में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरितालिका तीज केवल एक व्रत नहीं, बल्कि नारी के संकल्प और शक्ति की गाथा है। माता पार्वती के तप और संकल्प से जुड़ा यह पर्व आज भी हमारी माताओं और बहनों की आस्था, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, योग गुरु स्वामी रामदेव, आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण सहित नेपाली एवं गोरखाली समाज के विशिष्ट लोग भी उपस्थित रहे। इस उत्सव का आयोजन 'हमरो स्वाभिमान ट्रस्ट' ने किया था। कार्यक्रम में समाज और राष्ट्र के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाली दस विभूतियों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने हरितालिका तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरितालिका तीज व्रत नहीं, बल्कि नारी के संकल्प और शक्ति की गाथा है। माता पार्वती के तप और संकल्प से जुड़ा यह पर्व आज भी हमारी माताओं और बहनों की आस्था, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तीज के गीत और परंपराएं महिलाओं की भावनाओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि जो संस्कृति अपनी नारियों के पर्वों को जीवित रखती है, वह संस्कृति कभी नष्ट नहीं होती। उन्होंने हरितालिका तीज को नेपाली एवं गोर्खाली नारी की शक्ति और स्वाभिमान का पर्व बताते हुए समाज की महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ दिल्ली में भी बड़ी संख्या में नेपाली व गोरखाली समाज के लोग रहते हैं। इस समाज की पहचान केवल संख्या से नहीं, बल्कि उनके साहस, अनुशासन, ईमानदारी और निष्ठा से होती है। राष्ट्र की सुरक्षा से लेकर शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य, संगीत, खेल और व्यापार तक इस समाज के लोगों ने देश के विकास और गौरव में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर दस विभूतियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि किसी पर्व को मनाना एक बात है, लेकिन उन सैनिकों, शिक्षकों, किसानों, कलाकारों और अधिकारियों को पहचानना और सम्मानित करना, जिनके योगदान को पर्याप्त पहचान नहीं मिली, उससे कहीं बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि समाज के योगदान का अभिलेख है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित की गई दस विभूतियों को दिल्ली सरकार और दिल्ली की जनता की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने आयोजन के लिए बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की सराहना की। उन्होंने नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा को लेकर दिल्ली वासियों की संवेदनशीलता और सहयोग के लिए लोगों को नमन किया। कपिल मिश्रा ने कहा कि योग, आयुर्वेद और हमारी सनातन संस्कृति केवल भारत की पहचान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए ज्ञान और स्वस्थ जीवन का मार्ग हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम अपनी समृद्ध परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समाज में एकता, सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रहे हैं।

दिल्ली की निचली अदालतों के वकील आज न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करेंगे

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली की निचली अदालतों के वकील कल यानि 21 सितंबर को न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करेंगे। न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का फैसला ट्रैफिक चालान के नियमों में हाल में किए गए संशोधन के बाद किया गया है। यह फैसला कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ ऑल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट बार एसोसिएशंस ऑफ दिल्ली ने रविवार को हुई बैठक में लिया गया। कोआर्डिनेशन कमेटी के महासचिव नरवीर डबास के हस्ताक्षर से जारी सर्कुलर में दिल्ली की निचली अदालतों में न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का आह्वान किया गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि मोटर व्हीकल रुल्स के रुल 167 में संशोधन कर दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक चालानों की सुनवाई के लिए एसडीएम, एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट और विभागीय अधिकारियों की नियुक्ति की है। इसके पहले ट्रैफिक चालान अदालतों में मजिस्ट्रेट की कोर्ट में होते थे।

नये संशोधन के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ चालान जारी किया गया है तो या तो उसे चालान भरना होगा या चालान जारी होने के 45 दिनों के अंदर दिल्ली सरकार की ओर से नियत अफसरों के समक्ष इसका विरोध करना होगा। इस संशोधन के तहत अगर किसी व्यक्ति ने 45 दिन के अंदर चालान का विरोध नहीं किया तो ये माना जाएगा कि उसने चालान स्वीकार कर लिया है। अगर दिल्ली सरकार के बताए हुए अधिकारी ने चालान के विरोध में दलील को खारिज कर दिया, तो संबंधित व्यक्ति कोर्ट में तभी जा सकता है जब वो चालान की राशि का आधा हिस्सा दिल्ली सरकार के पास जमा करे। दिल्ली सरकार के इस फैसले का कोआर्डिनेशन कमेटी ने विरोध जताते हुए संबंधित मंत्री के समक्ष 27 अगस्त को अपनी बातें रखी थी। उसके बाद दिल्ली सरकार के कानून मंत्री के समक्ष भी 7 सितंबर को कोआर्डिनेशन कमेटी ने अपनी बातें रखी थी। दिल्ली के कानून मंत्री के साथ हुई दो बैठकों में कोआर्डिनेशन कमेटी को ये आश्वस्त किया गया कि दिल्ली सरकार ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए एसडीएम या दूसरे अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई अमल नहीं करेगी। कोआर्डिनेशन कमेटी ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर चिंता जताई कि ट्रैफिक चालान के निपटारे के लिए खाद्य और आपूर्ति विभाग के अफसरों, तहसीलदार और ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कोआर्डिनेशन कमेटी का कहना है कि ये ट्रैफिक चालान का विरोध करना हर नागरिक का अधिकार है और ये किसी न्यायिक फोरम पर ही किया जा सकता है। कोआर्डिनेशन कमेटी ने ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए दिल्ली सरकार की ओर से न्यायिक अधिकारियों की जगह प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति का कड़ा विरोध जताया है।

आआप पार्षद के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कई भाजपा नेता हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मी दीपक को कथित रूप से आर्थिक प्रताड़ना देकर आत्महत्या के लिए विवश करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज आरोपित पार्षद विजय कुमार की तत्काल गिरफ्तारी और पार्टी से निष्कासन की मांग को लेकर आआपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई, जिसके बाद उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चांदोलिया सहित पुलिस ने विधायक रविन्द्र नेगी, विधायक रविकांत उज्जैनवाल और निगम पार्षद प्रियंका गौतम को हिरासत में लेकर तिलक मार्ग थाने भेज दिया। बाद में इन्हें छोड़ दिया गया।

पश्चिम विहार में राम लीला भूमि पूजन संपन्न

नई दिल्ली। प्रभु श्रीराम की भव्य लीला के मंचन के लिए रविवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ग्राउंड नजदीक रेडिसन होटल पश्चिम विहार में भूमि पूजन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल दीप प्रज्वलित किया और सांसद योगेंद्र चंदौलिया भगवान श्रीराम का ध्वजा रोहण किया। विधायक राजकुमार भाटिया, निगम पार्षद शिखा भारद्वाज, विनीत वोहरा मोनिका गोयल केशव पुरम जिला अध्यक्ष अजय खटाना खटाना मुख्य रूप से मौजूद रहे। यह रामलीला पश्चिमी दिल्ली की सबसे पुरानी और प्रसिद्ध रामलीला है, जो पिछले 46 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है। आगामी 11 अक्टूबर से रामलीला का मंचन शुरू होगा।

पश्चिम विहार रामलीला कमेटी के चेयरमैन योगेश शर्मा टीटू, प्रधान भारत भूषण दुआ व महामंत्री अशवनी बागडी के अनुसार क्षेत्र के जाने माने समाजसेवी एवं रामलीला कमेटी के मुख्य प्रेरणा स्त्रोत नरेश कुमार ऐरन एवं धर्मपत्नी सुनीता ऐरन के द्वारा श्री रामलीला महोत्सव के लिए आज रविवार को भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा रामलीला के प्रमुख दृश्य भी मंचित किए गए। आगामी 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। लीला आयोजन में राजेंद्र कात्याल, आशीष खंडेलवाल, संजय त्यागी, गौरव अग्रवाल प्रकाश चंद जैन, सतीश राम गोयल, दर्शन गोयल, सुभाष गुप्ता, संजय गुप्ता,पंकज अग्रवाल का विशेष योगदान रहा है। रामलीला कमेटी के महामंत्री अश्वनी बागड़ी ने मंच संचालन किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1981 से निरंतर रामलीला महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव की विशेषता यह है कि रामलीला मंचन में पश्चिम विहार क्षेत्र के निवासियों के परिवारों के बच्चे कलाकार प्रभु श्रीराम की लीला का मंचन करते हैं। क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि रामलीला मंचन के दौरान रामलीला मैदान में पूरी तरह से माहौल राममय हो जाएगा।

एमसीडी ने दिल्ली में चलाया व्यापक स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत रविवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, पौधारोपण और जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ दिल्ली को स्वच्छ बनाए रखने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना रहा। पुरानी दिल्ली क्षेत्र में एमसीडी ने वृक्षित फाउंडेशन के सहयोग से लाल किला एवं अंगूरी बाग क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में करीब 400 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस दौरान ऐतिहासिक एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। अंगूरी बाग में पौधारोपण अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय पार्षद, एमसीडी के क्षेत्रीय अधिकारी और स्थानीय निवासियों ने हिस्सा लिया। अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक जिम्मेदारी एवं नागरिक सहभागिता के महत्व पर जोर दिया गया। वहीं, पूर्वी क्षेत्र में स्वामी दयानंद मार्ग के किनारे विशेष गहन सफाई अभियान चलाया गया। एमसीडी की स्वच्छता टीमों ने क्षेत्र की सफाई और सार्वजनिक स्थलों के बेहतर रखरखाव के लिए विशेष अभियान चलाया। इसी क्रम में उत्तरी क्षेत्र के तिमारपुर, गांधी विहार, वजीराबाद और जीटीबी नगर सहित विभिन्न स्थानों पर भी विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए। एमसीडी की टीमों ने व्यापक सफाई कार्य करने के साथ नागरिकों को कचरे के उचित निस्तारण और अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर सहयोग का संदेश दिया। एमसीडी की ओर से कहा गया कि 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता, पौधारोपण और जागरूकता संबंधी गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं। इन अभियानों का उद्देश्य स्वच्छता मानकों को और मजबूत करना तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है।

दिल्ली में मामूली विवाद बना जानलेवा, 18 साल के युवक की चाकू घोंपकर हत्या

पश्चिमी दिल्ली। नारायणा गांव इलाके में शनिवार रात मामूली कहासुनी के बाद एक 18 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। जिस युवक की हत्या हुई है, उनका नाम सुमित है। ये नारायणा गांव रहते थे। इस वारदात में बीच-बचाव कराने आया एक अन्य युवक भी मामूली रूप से घायल हो गया। नारायणा थाना पुलिस ने चश्मदीद के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी के अनुसार, घटना की सूचना

शनिवार रात करीब 9:30 बजे डीडीयू अस्पताल से प्राप्त हुई, जहां एक युवक को अचेत अवस्था में लाया गया था, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर दीपक शर्मा पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और शुरुआती जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित अमन और इसका दोस्त नरसिंह एक ही मोटरसाइकिल से पायल सिनेमा की ओर गए थे। वहां से नारायणा गांव लौटते समय रास्ते में उन्हें उनके जान-पहचान वाले सुमित गिरि और अमन(पुत्र अनिल सिंह) मिल गए। बातचीत के दौरान अमन (पुत्र अनिल सिंह) ने मजाक में नरसिंह से खुद को पापा कहने को कहा। इस बात पर मोटरसाइकिल सवार आरोपित अमन भड़क गया और उसने चाकू निकालकर उसे धमकाना शुरू कर दिया। सुमित गिरि ने इस धमकी का विरोध किया, जिसके बाद सुमित और आरोपित अमन के बीच तीखी बहस हो गई। इसी दौरान उनका एक साझा दोस्त सरगम भी मौके पर पहुंच गया और उसने झगड़ा शांत कराने का प्रयास किया। कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आरोपित अमन ने चाकू से सुमित गिरि पर हमला कर दिया और उसे कई जगह घोंप दिया। बीच-बचाव के दौरान सरगम को भी हल्की चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित अमन ने अपने छोटे भाई को मौके पर बुलाया। आरोप है कि मौके पर पहुंचे उसके भाई ने भी लहूलुहान अवस्था में पड़े सुमित को लातों से मारा और मारपीट की। घटना के तुरंत बाद चश्मदीद अमन (पुत्र अनिल सिंह) ने सुमित के परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों की मदद से सुमित को आनन-फानन में डीडीयू अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिवस पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी, प्रो. जसीम मोहम्मद रहे विशेष अतिथि

सद्भावना टुडे,संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर नई दिल्ली के रफी मार्ग स्थित फाइन आर्ट्स गैलरी में अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. आदिश सी. अग्रवाला द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में सेंटर फॉर नमो स्टडीज के सभापति प्रो. जसीम मोहम्मद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

'पीएम नरेंद्र मोदी: ए चैंपियन ऑफ प्रॉस्पेरिटी एंड वर्ल्ड पीस' शीर्षक से आयोजित इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों तथा उनकी राजनीतिक और राष्ट्रीय यात्रा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण क्षणों को तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा कि फोटोग्राफी केवल किसी क्षण को कैमरे में कैद करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह इतिहास, स्मृतियों और सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण अध्यायों को संरक्षित करने की प्रभावी कला भी है। ऐसी प्रदर्शनियां महत्वपूर्ण घटनाओं और व्यक्तित्वों की यात्रा को दृश्य माध्यम से समझने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने डॉ. आदिश सी. अग्रवाला के इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के विभिन्न पड़ावों और महत्वपूर्ण क्षणों को तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत करने का यह प्रयास एक यादगार अनुभव रहा।

प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा कि प्रदर्शनी में प्रस्तुत तस्वीरें दर्शकों को प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के साथ-साथ फोटोग्राफी की उस शक्ति को भी रेखांकित करती हैं, जिसके माध्यम से महत्वपूर्ण क्षणों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने इस आयोजन को अपने लिए 'स्मरणीय और समृद्ध अनुभव' बताते हुए डॉ. आदिश सी. अग्रवाला के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न अवसरों और महत्वपूर्ण पड़ावों को केंद्र में रखते हुए फोटोग्राफिक प्रस्तुति की गई, जिसने आगंतुकों को उनके सार्वजनिक जीवन की एक दृश्यात्मक यात्रा का अनुभव कराया। इस दौरान प्रो. जसीम मोहम्मद ने आयोजकों को सुझाव दिया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को भी ऐसी प्रदर्शनियों में आमंत्रित किया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी को फोटोग्राफी के माध्यम से देश के सार्वजनिक जीवन और समकालीन इतिहास के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने का अवसर मिल सके।

दिल्ली में फिर दोहरा सकता है सत्य निकेतन जैसा हादसा, मंगोलपुरी पंजाबी कैंप की जर्जर इमारत दे रही न्योता

बाहरी दिल्ली। मंगोलपुरी पंजाबी कैंप जर्जर होने के होने के फिर सत्य निकेतन जैसा हादसा हो सकता है। जहां 250 से अधिक परिवार जान जोखिम में डालकर रह रहे है। दो मंजिला इस इमारत में जगह-जगह छतों का मलबा गिरने के कारण लौहे के सरिये बाहर दिखाई दे रहा है। कई दीवारों के झुकने व जर्जर होने के कारण गिरने की स्थिति में है।

जिसके कारण कैंप में रहने वाले लोगों के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। कैंप के निर्माण के बाद वर्ष 1984 में पंजाब में सिख दंगों के शिकार हुए लोगों को इस कैंप में शरण दी गई। लेकिन प्रशासन की ओर से कैंप की इमारत के रखरखाव नहीं किया गया। जिसके कारण कैंप की स्थिति जर्जर होती चली गई। अब इमारत के अधिकतर कमरे खंडहर हो चुके है। जहां किसी भी समय अचानक से छत का मलबा गिर जाता है। तो कभी इमारत का कोई हिस्सा। ऐसे में लोग डर के साये में जी रहे है। कमरों के सामने बनी छज्जे की दीवार में दरार व झुकी हुई है। इमारत के ऊपरी तलों पर पैर रखते ही छत हिलने लगती है। दीवारों पर पकड़ने पर मन में डर रहता है कि दीवार गिर न जाएं। कैंप में इमारत 90 प्रतिशत खस्ता हो चुकी है। इतना ही नहीं यहां लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहे है।

नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण जलनिकासी बाधित रहती है और ओवरफ्लो होकर गंदा पानी परिसर में भर जाता है। मानसून के दौरान स्थिति और भी गंभीर बन जाती है। जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष जगदीश राज ने बताया कि 2001 के बाद कैंप में किसी प्रकार की कोई मरम्मत नहीं की गई। दो-तीन वर्ष पूर्व इमारत को प्रशासन द्वारा खतरनाक घोषित किया जा चुका है। मजबूरन लोग इमारत में रह रहे है। हमारी मांग है कि कैंप का दोबारा से निर्माण कर सरकार हमारे घर हमें दें। ताकि बिना डर डर के अपने घरों में रह सकें।

चांदनी चौक के टाउन हॉल को ग्लोबल हेरिटेज सेंटर के रूप विकसित करेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार ने चांदनी चौक स्थित दिल्ली के ऐतिहासिक टाउन हॉल को अब नए स्वरूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग की नोडल एजेंसी दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के अंतर्गत ऐतिहासिक टाउन हॉल, प्रेस बिल्डिंग और पार्क का संरक्षण करते हुए इन्हें एक 'ग्लोबल हेरिटेज सेंटर' के रूप में विकसित किया जाएगा।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस एमओयू कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह जानकारी आज एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई जिसके मुताबिक, इस परियोजना का विशेष महत्व है क्योंकि टाउन हॉल और इससे संबंधित परिसर चांदनी चौक और शाहजहानाबाद के ऐतिहासिक क्षेत्र का हिस्सा है। वर्ष 1860 से 1866 के बीच निर्मित यह ग्रेड-ढ्ढ विरासत परिसर है। नगर निगम का मुख्यालय लंबे समय तक इसी परिसर में रहा और वर्ष 2010 में यह मुख्यालय स्थानांतरित होकर मिंटो रोड स्थित नए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में चला गया। तब से इसका बड़ा हिस्सा काफी हद तक खाली रहा है।

एमओयू के अनुसार लगभग 12,180 वर्गमीटर क्षेत्रफल के इस ऐतिहासिक परिसर का स्वामित्व दिल्ली नगर निगम के पास ही रहेगा। परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक भवन की मूल विरासत पहचान को सुरक्षित रखते हुए उसका अनुकूल पुन: उपयोग (एडैप्टिव रीयूज) करना है। यानी भवन को उसकी ऐतिहासिक और स्थापत्य पहचान के अनुरूप संरक्षित किया जाएगा, साथ ही उसे वर्तमान समय की पर्यटन और सांस्कृतिक जरूरतों के लिए उपयोगी बनाया जाएगा। प्रस्तावित ग्लोबल हेरिटेज सेंटर में संग्रहालय, सांस्कृतिक गतिविधियों और पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं के विकास की योजना है। इससे पुरानी दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को ऐसा नया प्रमुख आकर्षण मिल सकेगा, जहां दिल्ली के इतिहास, विरासत और संस्कृति को एक ही परिसर में अनुभव किया जा सकेगा। चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जैसे अत्यधिक व्यस्त और पर्यटकों की बड़ी आवाजाही वाले क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस परिसर के बेहतर उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। एमओयू के अंतर्गत डीटीटीडीसी को इस परियोजना के लिए सर्वे, भवन का स्ट्रक्चरल असेसमेंट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके

बाद परियोजना को सार्वजनिक निवेश या पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के माध्यम से विकसित करने का विकल्प तय किया जाएगा। परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए डीटीटीडीसी और नगर निगम के प्रतिनिधियों वाला संयुक्त कार्य समूह भी बनाया जाएगा। एमओयू की प्रारंभिक अवधि ×0 वर्ष रखी गई है और आपसी सहमति से इसे आगे ×0 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। टाउन हॉल से जुड़ी विरासत सामग्री, अभिलेखीय सामग्री, कलाकृतियां और ऐतिहासिक रिकॉर्ड नगर निगम के ही पास रहेंगे। परियोजना में भवन के संरक्षण के साथ-साथ उससे जुड़ी ऐतिहासिक विरासत को भी सुरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चांदनी चौक का ऐतिहासिक टाउन हॉल केवल भवन नहीं बल्कि दिल्ली के समृद्ध इतिहास और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि इसकी ऐतिहासिक और स्थापत्य पहचान को सुरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा जाए। ग्लोबल हेरिटेज सेंटर के रूप में विकसित होने के बाद यह परिसर देश-दुनिया से दिल्ली आने वाले पर्यटकों को पुरानी दिल्ली के इतिहास, संस्कृति और विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि चांदनी चौक की ऐतिहासिक विरासत दिल्ली की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टाउन हॉल, प्रेस बिल्डिंग और पार्क को ग्लोबल हेरिटेज सेंटर के रूप में विकसित करने से इस क्षेत्र में विरासत पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। हमारा प्रयास है कि ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण करते हुए उन्हें देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक और उपयोगी बनाया जाए।

एक नजर

गुरुग्राम पुलिस ने अनैतिक तस्करी नेटवर्क का किया भंडाफोड़, आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

गुरुग्राम,एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस ने अनैतिक तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तेज कर दी है। शुक्रवार की रात स्पा सेंटर्स में छापेमारी के बाद शनिवार की रात गाँव झाड़सा से एक पति पत्नी को गिरफ्तार किया है। साथ ही 21 अन्य लोग भी काबू किये गए। बचाई गई एक पीड़िता से पूछताछ के बाद पुलिस को गांव झाड़सा निवासी साहिल द्वारा चलाए जा रहे एक कथित संगठित तस्करी नेटवर्क का पता चला। सूचना के बाद पुलिस ने जाल बिछाया और छापा मारकर साहिल को उसकी पत्नी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि साहिल इन कथित गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वेबसाइट चला रहा था। व्हाट्सएप चैट व अन्य संचार माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था। यह नेटवर्क कथित तौर पर पीजी गेस्ट हाउस, गाड़ियों और 10-12 सहयोगियों के जरिए चलाया जा रहा था। पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि नाबालिग होने के दौरान उसे कथित तौर पर जबरन झाड़सा स्थित ठिकाने पर रखा गया था। आईटीपीए नोडल एसीपी अभिलक्ष जोशी और हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शिनी की देखरेख में सेक्टर-38 स्थित एक पीजी में संयुक्त छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से विदेशी नागरिकों सहित 13 पुरुष और आठ महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक इस मामले में आईटीपीए और फॉरेनर्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत सदर पुलिस स्टेशन गुरुग्राम में एक नई एफआईआर दर्ज की जा रही है।

नशे में धुत महिला ने किया हाई वोल्टेज ड्रामा, सड़क किनारे लेटी

फरीदाबाद। सेक्टर-8 थाना क्षेत्र में शनिवार की रात को उस समय लोगों की भीड़ जुट गई, जब एक महिला शराब के नशे में सड़क किनारे करीब एक घंटे तक पड़ी रही। महिला इतना ज्यादा नशे में थी कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। उठने की कोशिश करने पर वह बार-बार जमीन पर गिर रही थी। काफी देर तक महिला के आसपास लोग जमा रहे, लेकिन उसके साथ कोई नजर नहीं आया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला सड़क के किनारे पड़ी हुई थी। वह उठने का प्रयास करती, लेकिन नशे के कारण संतुलन बिगड़ने से दोबारा गिर जाती। करीब एक घंटे तक महिला इसी हालत में सड़क किनारे पड़ी रही। इस दौरान वहां से गुजरने वाले लोग रुककर महिला को देखते रहे और मौके पर भीड़ जमा हो गई। काफी देर बाद एक व्यक्ति कार लेकर मौके पर पहुंचा। उसने वहां मौजूद लोगों को बताया कि महिला का नाम जस्सी है और वह एनआईटी-5 की रहने वाली है। उसने बताया कि महिला उसकी मैडम की दोस्त है और मैडम ने उसे लेने के लिए भेजा है। इसके बाद उसने महिला को संभाला और कार में बैठाकर वहां से ले गया। महिला के यहां तक पहुंचने की वजह क्या थी, यह स्पष्ट नहीं हो सका। सेक्टर-8 थाना प्रभारी राजबीर के मुताबिक, महिला शराब के नशे में थी। ऐसा लग रहा है कि पास में चल रहे किसी कार्यक्रम में महिला ने शराब पी थी। जिसके बाद महिला पैदल चलते हुए यहां तक पहुंच गई होगी। इसके बाद उसके साथी उसे वहां से लेकर चले गए। पुलिस के अनुसार, महिला के साथ किसी तरह की मारपीट या अन्य घटना की शिकायत नहीं मिली है। महिला के साथ ही उसे मौके से लेकर गए थे। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में फिलहाल कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। महिला वहां कैसे पहुंची और उसके साथ उस दौरान कौन था, इसकी भी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

सातवीं कक्षा के छात्र पर पिटबुल ने किया हमला, 16 जगह काटा

फरीदाबाद। एन.एच.-3 में पिटबुल कुत्ते ने सातवीं कक्षा के छात्र पर हमला कर दिया। पिटबुल ने बच्चे के हाथ-पैर समेत शरीर पर 16 जगह काट लिया। हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बीके अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया था। लेकिन अब बच्चे का इलाज घर पर चल रहा है। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। एन.एच.-3 नंबर के ब्लॉक-बी निवासी जितेंद्र ने बताया कि वह बीके चौक पर बिरयानी की रेहड़ी लगाता है। शनिवार शाम उनका सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला बेटा ग्रन्थ साइकिल लेकर गली में गया था। घर से कुछ दूरी पर वह एक मकान के सामने अपने दोस्त के साथ खड़ा होकर बात कर रहा था। इसी दौरान मकान मालिक ओम का पिटबुल कुत्ता घर से बाहर निकला और ग्रन्थ पर हमला कर दिया। जितेंद्र का आरोप है कि कुत्ता लगातार उनके बेटे को काटता रहा। इस दौरान कुत्ते के मालिक ने उसे बचाने का प्रयास नहीं किया। बच्चे के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों की भीड़ जुटने के बाद कुत्ते को बच्चे से अलग किया गया। हमले में उसके हाथ-पैर समेत शरीर पर 16 जगह काटने के निशान आए हैं। जितेंद्र ने बताया कि हमले के बाद वह घायल बेटे को तुरंत बीके अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। इसके बाद वह बच्चे को निजी अस्पताल लेकर गए। फिलहाल बच्चे का घर पर ही इलाज कराया जा रहा है। जितेंद्र ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत एनआईटी-3 नंबर चौकी में दी है। चौकी इंचार्ज मनोज के अनुसार, शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

एफडीआरसी ने 94.38 प्रतिशत परिवारों को टूटने से बचाया

नोएडा,एजेंसी। गौतमबुद्धनगर पुलिस पारिवारिक और वैवाहिक विवादों को बातचीत और काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास कर रही है। ऐसे 94 प्रतिशत से अधिक मामलों को सुलझाया गया है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने आज जारी एक बयान में कहा कि 1 जनवरी 2025 से सितंबर माह 2026 तक कमिश्नरेट के तीन फैमिली डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन क्लीनिक (एफडीआरसी) और महिला सहायता प्रकोष्ठ के माध्यम से 1014 प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई की गई। इनमें 906 मामलों का निस्तारण हो चुका है, जबकि 108 मामले मध्यस्थता के स्तर पर हैं। निस्तारित मामलों में 57 में ही प्राथमिकी दर्ज हुई। पुलिस के मुताबिक, 94.38 फीसदी मामलों का समाधान काउंसलिंग और मध्यस्थता से हुआ। उन्होंने बताया कि सेक्टर-108 स्थित महिला सहायता प्रकोष्ठ/एफडीआरसी में 450 प्रार्थना पत्र आए। इनमें 406 का निस्तारण और 44 मामले मीडिएशन में हैं।

निस्तारित मामलों में 32 में एफआईआर दर्ज हुई। एफडीआरसी नॉलेज पार्क में 296 प्रार्थना पत्र मिले, जिनमें 276 का निस्तारण हुआ और 20 मामले मीडिएशन में हैं। यहां 11 मामलों में एफआईआर हुई। चैरी काउंटी एफडीआरसी में 268 प्रार्थना पत्र मिले, जिनमें 224 का निस्तारण और 44 मामले मीडिएशन में हैं। इनमें 14 मामलों में अभियोग दर्ज हुआ। पुलिस ने हाल का एक मामला भी साझा किया। वर्ष 2013 में विवाह के बाद दंपती के दो बेटे हुए। पत्नी ने पति अरुण पर शराब पीकर मारपीट और अतिरिक्त दहेज की मांग का आरोप लगाया था। मामला एफडीआरसी नॉलेज पार्क पहुंचा, जहां काउंसलरों ने दोनों पक्षों को अलग-अलग सुनकर समस्याएं समझीं और सकारात्मक परामर्श दिया। लगातार काउंसलिंग के बाद अरुण ने शराब छोड़ने के लिए उपचार लेने का निर्णय लिया। अंतिम सत्र में दोनों साथ रहने पर सहमत हो गए।अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि यह व्यवस्था परिवारों को टूटने से बचाने और बच्चों को सुरक्षित माहौल देने के उद्देश्य से काम कर रही है।

उम्र 80 साल, हौसला जवान, गाजियाबाद की कमलेश देवी ने सीखे अ, आ और गिनती, अब दी साक्षरता परीक्षा

गाजियाबाद,एजेंसी। उम्र के जिस पड़ाव पर लोग आराम को जिंदगी का हिस्सा बना लेते हैं, उसी उम्र में जलालाबाद-1 क्षेत्र की 80 वर्षीय कमलेश देवी ने किताब और कापी थामकर पढ़ना सीखने की ठानी। कभी अक्षरों को पहचानने में परेशानी होती थी तो रोजमर्रा के छोटे-मोटे हिसाब के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने का मौका मिला तो उन्होंने उम्र की परवाह किए बिना अपना नामांकन कराया। मेहनत से अ, आ और गिनती सीखने के बाद रविवार को उन्होंने मूलभूत साक्षरता परीक्षा भी दी। कमलेश देवी जिले में इस वर्ष नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने वाली सबसे अधिक उम्र की परीक्षार्थियों में शामिल हैं। उनका कहना है कि पढ़ना-लिखना सीखने की इच्छा पहले भी थी, लेकिन इसके लिए अवसर नहीं मिल पाया। कार्यक्रम के माध्यम से जब आसपास के लोगों को पढ़ने के लिए जोड़ा जा रहा था तो उन्होंने भी सीखने का निर्णय लिया। इसके बाद नियमित रूप से साक्षरता गतिविधियों में शामिल होकर अक्षर पहचानने, शब्द पढ़ने और सामान्य गणना का अभ्यास किया। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को जिले के 172 परीक्षा केंद्रों पर प्रथम मूलभूत साक्षरता परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल 1821 असाक्षर वयस्कों ने प्रतिभाग किया।

परीक्षा में शामिल महिला और पुरुष परीक्षार्थियों ने पढ़ने, लिखने तथा दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली सामान्य गणना से संबंधित अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया।

13 साल की पीड़ा के बाद थमी हरीश राणा की जिंदगी, छह महीने बाद भी यादों में अटके माता-पिता

गाजियाबाद। किसी पिता के सामने बेटे की मौत हो जाना उसके लिए दुनिया का सबसे बड़ा दुख है। 13 साल तक बेटे को हर रोज मरते हुए देखकर अशोक राणा ने अपने बेटे हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु मांगी थी। हरीश राणा को गए हुए करीब छह महीने हो गए हैं, लेकिन पिता के हृदय में हरीश की यादें जीवन भर रहेंगी। घर की दिनचर्या फिर चल पड़ी, आजीविका का सहारा भी मिला और जिंदगी ने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ ली। मगर हरीश राणा के माता-पिता के लिए समय जैसे उसी कमरे में ठहर गया है, जहां उनका बेटा करीब 13 वर्षों तक जीवन और पीड़ा के बीच जूझता रहा। छह महीने पहले 24 मार्च को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद हरीश को जीवन रक्षक उपचार से मुक्त कर इच्छामृत्यु दी गई थी। आज उसी कमरे में उसके माता-पिता सोते हैं, लेकिन हर दिन किसी न किसी बात के बहाने हरीश की याद फिर सामने आ जाती है। राजनगर एक्सटेंशन की राज एम्पायर सोसायटी में रहने वाले पिता अशोक राणा को प्रशासन द्वारा आजीविका के लिए दुकान भी मिले क्योंकि घर पर सामान खरीदने के लिए आने वाले जो नए लोग होते हैं वह हरीश राणा को लेकर चर्चा करते हैं। लगभग हर दिन हरीश का जिक्र होता है।

हरीश के पिता ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया कि उन्हें अपने बेटे को इस तरह से खोने का दुख है, लेकिन सुकून है कि वह किसी को नया जीवन देकर गए। उनकी आंखें आज भी संसार को देख रही हैं और उनका हृदय आज भी किसी के सीने में धड़क रहा है। पिता का कहना है कि वह आभारी हैं सुप्रीम कोर्ट, शासन व प्रशासन और उन सभी लोगों के जिन्होंने उनकी मदद की। लंबे समय तक लड़ाई लड़ी और आखिर अपने बेटे को उस दर्द से मुक्ति दिलाने में सक्षम रहे जो पिछले करीब 13 साल से वह झेल रहा था। जब बेटे के ठीक होने की उम्मीद नहीं रही तब से उनकी इच्छा थी कि बेटे को इच्छामृत्यु देने के साथ उनके शरीर के जो अंग ठीक हैं वह दान किए जाएं। जिससे वह अपने बेटे को इस संसार में महसूस कर सकें। हाल ही में एम्स में हरीश राणा के परिवार को उनके नेत्रदान के लिए सम्मानित भी किया गया। हरीश राणा के जीवन के 13 साल लंबे संघर्ष ने न केवल उनके परिवार के धैर्य, सेवा, समर्पण की कठिन परीक्षा ली, बल्कि अब अपने जैसे न जाने कितने लोगों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर दिया। 13 साल बाद 11 मार्च 2026 सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए हरीश राणा की परोक्ष इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। 32 वर्षीय हरीश राणा की 13 साल लंबी एक कठिन जीवन यात्रा पर 24 मार्च 2026 के दिन विराम लगा था।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस के प्रभावी पैरवी: पौने चार वर्ष में 2021 अपराधियों को मिली सजा

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कनविक्शन के अंतर्गत गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की प्रभावी पैरवी के चलते 4 वर्ष में गौतम बुद्ध नगर में हत्या, पाक्सो एक्ट, दहेज हत्या, अपहरण, लूट ,डकैती जैसे जघन्य अपराध करने वाले 2021 अपराधियों को सजा हुई है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने बताया कि एक जनवरी वर्ष 2025 से सितंबर माह तक पाक्सो एक्ट से संबंधित 40 अभियोगों, दुष्कर्म से संबंधित सात अभियोग, अपहरण से संबंधित पांच अभियोग, हत्या से संबंधित 48, डकैती से संबंधित चार, लूटपाट से संबंधित 41 अभियोग।

गिरोह बंद अधिनियम से संबंधित 21 अभियोगों, चोरी से संबंधित 535, आर्म्स एक्ट से संबंधित 543 तथा अन्य मामलों से जुड़े 449 अभियोगों में 2021 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ऑपरेशन कनविक्शन के तहत कोर्ट में प्रभावी पैरवी कर रही है, जिसकी वजह से 98 अपराधियों को अब तक आजीवन कारावास, 25 अपराधियों को 10 वर्ष से 20 वर्ष तक के कारावास, 58 अपराधियों को 5 वर्ष से 10 वर्ष

तक के कारावास से दंडित किया गया है। उन्होंने बताया कि कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर पुलिस द्वारा की गई प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरुप पीड़ितों को समय से उचित न्याय मिलने के साथ-साथ अपराधियों को उनके द्वारा किए गए अपराध के लिए सजा दिलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर पुलिस का यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

मुठभेड़ में दो गौ तस्कर किए काबू, दो फरार

नूंह। नूंह जिले के सदर थाना क्षेत्र के गांव घासेड़ा के नजदीक रविवार तड़के फिरोजपुर झिरका सीएस स्टाफ और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान हुई क्रॉस फायरिंग में दो गौ तस्करों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को काबू कर लिया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल आरोपियों को उपचार के लिए शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह, प्रभारी सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका के नेतृत्व में टीम को सूचना मिली थी कि गौ तस्कर गुरुग्राम-सोहना-नूंह के रास्ते गोवंश को गौकशी के लिए राजस्थान की ओर ले जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर टीम ने गांव घासेड़ा के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक अर्टिगा कार करीब 50-60 मीटर पहले रुक गई और चालक ने वाहन को वापस मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने सरकारी वाहन से कार को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस वाहन में टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, कार में कंडक्टर साइड बैठे व्यक्ति ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की।

दोनों तरफ से हुई क्रॉस फायरिंग के दौरान दो आरोपी गोली लगने से घायल हो

गए, जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने घायल आरोपियों को काबू कर उनकी पहचान शमशाद उर्फ सैंदा निवासी उटावड़, जिला पलवल और रोबिन निवासी आलीमेव, जिला पलवल के रूप में की है। पूछताछ में दोनों ने फरार आरोपियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। पुलिस ने मौके से अर्टिगा कार में ले जाए जा रहे तीन गोवंश बरामद किए। इसके अलावा दो देसी कट्टे, चार जिंदा कारतूस और तीन खाली खोल बरामद किए गए हैं। पुलिस ने अर्टिगा कार को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी रोबिन के खिलाफ पहले से 12 मुकदमे दर्ज हैं और वह पूर्व में इनामी बदमाश रह चुका है। वहीं शमशाद उर्फ सैंदा के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं और वह राजस्थान पुलिस की ओर से 3 हजार रुपये का इनामी बताया गया है। पुलिस अन्य जिलों और राज्यों में भी आरोपियों के खिलाफ दर्ज मामलों का रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घायल आरोपियों का उपचार कराया जा रहा है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें द्वारा संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

गंगाजल पाइपलाइन फटने से वैशाली में पेयजल संकट

साहिबाबाद। वार्ड-77 वैशाली सेक्टर-3 एफ में गंगाजल की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई इससे 100 से अधिक परिवारों को पेयजल की समस्या झेलनी पड़ी। इसके अलावा गली में जलभराव से भी लोग परेशान रहे। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों का आरोप है कि सुबह शिकायत करने के बाद भी शाम तक नगर निगम की टीम मरम्मत के लिए नहीं पहुंची। सेक्टर-3 एफ आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि करीब डेढ़ साल से जर्जर पाइपलाइन की शिकायत की जा रही है, लेकिन जलकल विभाग के अधिकारियों ने इसे बदला नहीं है। शनिवार को सुबह सात बजे करीब मकान संख्या 360 से 377 तक गंगाजल की पाइपलाइन में लीकेज हो गई। यहां पानी की टंकी के साथ चारों तरफ की दीवार है, वो एक तरफ टूटी है, जिससे कई बार पार्क से पानी बहकर सड़क पर आता है। उन्होंने बताया कि सुबह से कई बार अधिकारियों को पाइपलाइन की मरम्मत के लिए कहा गया लेकिन कोई मौके पर नहीं आया।

ईएसआईसी में बिगड़ी महिला डाक्टर की तबीयत, नहीं मिला इलाज

फरीदाबाद। फरीदाबाद स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर को ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद समय पर इलाज और जरूरी सुविधाएं नहीं मिलने का मामला सामने आया है। हालत बिगड़ने पर लेडी डॉक्टर को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाना पड़ा। घटना को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों में नाराजगी है। डॉक्टरों ने डीन को पत्र लिखकर पूरे मामले में 24 घंटे के अंदर लिखित जवाब और एक्शन टेकन रिपोर्ट देने की मांग की है। उनका कहना है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर वे आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों के मुताबिक, मामला 19 सितंबर का है।

न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में तैनात रेजिडेंट डॉक्टर वंशिका त्यागी (करीब 27 वर्षीय) ने पिछले 48 घंटे में करीब 35 घंटे ड्यूटी की थी। ऑपरेशन थिएटर में ड्यूटी के दौरान अचानक उन्हें तेज कमजोरी महसूस हुई। कुछ ही समय में हाथ-पैरों में सुनापन और कमजोरी बढ़ गई। डॉक्टरों ने इसे क्वाड्रीपारेसिस की स्थिति बताया। डॉक्टर रोहित के मुताबिक, हालत बिगड़ने के बाद डॉक्टर वंशिका को ओटी से इमरजेंसी वार्ड में शिफ्ट करने के लिए करीब 90 मिनट तक नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध नहीं हो सका। डॉक्टरों का आरोप है कि अस्पताल में मरीज को तत्काल उपलब्ध कराया जाने वाला सर्वाइकल हार्ड कॉलर भी नहीं मिला। आखिरकार इसे बाहर से ब्लिंकिट के जरिए मंगवाना पड़ा।

डॉक्टरों के अनुसार, इमरजेंसी अनुरोध के बावजूद ब्लड रिपोर्ट आने में करीब तीन घंटे लग गए। वहीं, केएफटी प्रोटोकॉल का हवाला देकर एमआरआई कराने में भी देरी हुई। इस दौरान डॉक्टर वंशिका की हालत को लेकर साथी डॉक्टरों में चिंता बढ़ती रही। रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि अस्पताल की तरफ से डॉक्टर वंशिका को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद निजी अस्पताल से एम्बुलेंस बुलानी पड़ी।

सोलर पैनल वालों की बल्ले-बल्ले, अब सीधे पड़ोसी को बेच सकेंगे एक्स्ट्रा बिजली

गाजियाबाद। अभी तक घर या प्रतिष्ठान की छत पर लगे सोलर पैनल से जरूरत से ज्यादा बिजली पैदा होने पर उपभोक्ताओं के पास उसे ग्रिड में देने और बिल में समायोजन कराने का विकल्प है। जल्द ही इसमें एक और विकल्प जुड़ने जा रहा है। पीटूपी (पियर-टू-पियर) एनर्जी ट्रेडिंग व्यवस्था में सोलर उपभोक्ता अपनी अतिरिक्त बिजली सीधे पड़ोसी उपभोक्ता को बेच सकेंगे। उत्तर प्रदेश में पहली बार लागू होने वाली इस व्यवस्था की तैयारी चल रही है। इस व्यवस्था में बिजली के लिए अलग लाइन बिछाने की जरूरत नहीं होगी। विक्रेता और खरीदार के बीच लेनदेन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगा, जबकि बिजली पीवीवीएनएल के मौजूदा ग्रिड नेटवर्क के माध्यम से प्रवाहित होगी।

ग्रिड के इस्तेमाल के बदले निगम शुल्क लेगा। हालांकि अतिरिक्त बिजली की बिक्री किस दर पर होगी और ग्रिड शुल्क कितना होगा, यह अभी तय नहीं किया गया है। जिले में वर्तमान में 9072 उपभोक्ता नेट मीटरिंग से जुड़े हैं, जबकि करीब 950 उपभोक्ता नेट बिलिंग व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहे हैं। दोनों को मिलाकर सोलर से जुड़ी इन व्यवस्थाओं में करीब 10,022 उपभोक्ता हैं। पीटूपी व्यवस्था में अंतर यह होगा कि अतिरिक्त बिजली का लाभ केवल बिल समायोजन तक सीमित नहीं रहेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसे दूसरे उपभोक्ता की जरूरत से जोड़ा जा सकेगा। अगर किसी घर में एक माह में सोलर पैनल से 300 यूनिट बिजली बनी और खपत 220 यूनिट रही तो बची 80 यूनिट बिजली ग्रिड में चली जाएगी। नियमानुसार इन अतिरिक्त यूनिट का समायोजन ग्रिड से ली गई बिजली के साथ किया जाता है। इस व्यवस्था में उपभोक्ता को अतिरिक्त बिजली का सीधे किसी दूसरे व्यक्ति से सौदा करने की जरूरत नहीं पड़ती। नेट बिलिंग का इस्तेमाल मुख्य रूप से व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। मान लीजिए किसी प्रतिष्ठान ने दिन में 500 यूनिट बिजली सोलर से बनाई और उसका पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली गई। वर्तमान व्यवस्था में इसके लिए निर्धारित दर से भुगतान किया जाता है।

20 हजार की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में एंटी करप्शन ब्यूरो ने एएसआई को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। मामला राजस्थान की एक युवती से जुड़ा है। वह दिल्ली के एक युवक के साथ तिगांव एरिया में लिव-इन में रह रही थी। आरोप है कि एएसआई ने जबरन युवती को उसके परिवार को सौंप दिया। बॉयफ्रेंड को रेप केस में फंसाने की धमकी दी गई। खुद ही रेप केस से निकालने के लिए 2 लाख रुपए की डिमांड की।

इसके लिए एक लाख रुपये में सौदा तय हुआ। शनिवार रात युवक थाने में एएसआई को एडवांस के 20 हजार रुपए देने आया था। यहां ट्रैप लगाए बैठी एसीबी ने तुरंत उसे पकड़ लिया। एएसआई हिदायत खान तिगांव थाने में तैनात है। उधर, एसीबी अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। राजस्थान के झुंझुनू जिले की रहने वाली एक युवती और दिल्ली के श्रीनिवासपुरी, गांधी कैंप-2 निवासी रोहित पिछले काफी समय से लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। कुछ दिनों से दोनों फरीदाबाद के तिगांव में रोहित के एक रिश्तेदार घर रह रहे थे। रोहित का कहना है कि 10 सितंबर को युवती के

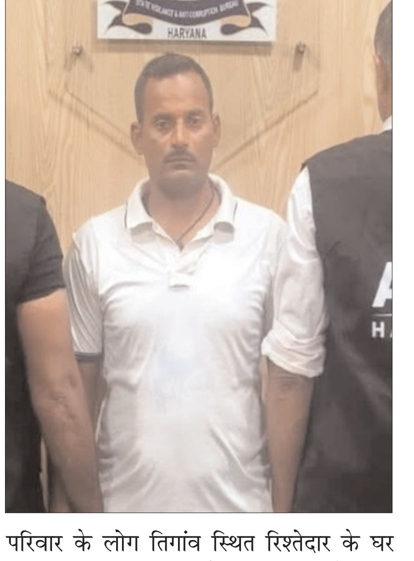

परिवार के लोग तिगांव स्थित रिश्तेदार के घर पहुंचे। यहां उन्होंने मेरे और अपनी बेटी के साथ मारपीट की। इसके बाद उन्होंने खुद ही पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पवन का कहना है कि उसने पुलिस को बताया था कि युवती बालिग है। वह अपने घरवालों के साथ नहीं जाना चाहती। आरोप है कि इसके बाद भी एएसआई हिदायत खान ने लड़की पक्ष के साथ मिलकर उसे परिजनों के साथ भेज दिया। रोहित का कहना है कि एएसआई ने उसे और रिश्तेदार को रेप केस में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद उसने 2 लाख रुपए की डिमांड की। रोहित ने कहा कि उसने एएसआई को 5 हजार रुपए दे दिए थे। इसके बाद एएसआई फोन कर रुपए के लिए, परेशान करने लगा। इसके बाद एक लाख रुपए में मामला निपटाने की बात तय हुई। यह रकम एक हफ्ते में तीन किस्तों में देनी थी। इसकी पहली किस्त के तौर पर शनिवार को 20 हजार रुपए देने तय हुए थे। रोहित ने एएसआई की रिश्वत मांगने की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की। शिकायत की जांच के बाद एसीबी ने कार्रवाई की प्लानिंग बनाई। प्लानिंग के तहत रोहित 20 हजार रुपए लेकर तिगांव थाने पहुंचा। आरोप है कि एएसआई ने उसे थाने के अंदर रुपए लेकर बुलाया था। जैसे ही हिदायत खान ने 20 हजार रुपए लिए, एसीबी की टीम ने मौके पर दबिश देकर उसे रिश्वत की रकम के साथ पकड़ लिया। टीम ने रुपए बरामद कर एएसआई को गिरफ्तार कर लिया।

असल जिंदगी में दबाव की राजनीति का हश्र

ज्योति मल्होत्रा

पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी और पंजाब से आई दो खबरों ने 'दबाव बनाने' का मतलब निस्संदेह साफ़ कर डाला है- एकदम द मर्चेंट ऑफ़ वेनिस के शाइलॉक और एंटोनियो जैसा तो नहीं, लेकिन कुछ-कुछ वैसा ही। पहली खबर ट्रंप के वाशिंगटन डीसी से आई 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट-2026' को लेकर है, जिसमें भारत जैसे देशों को रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर सौ प्रतिशत तक अतिरिक्त कर लगाने की धमकी दी गई है। अगर ट्रंप ने खुद शेक्सपीयर पढ़ा होता, तो उन्हें अब तक पता चल गया होता कि ऐसा नहीं करना चाहिए। मोदी अभी-अभी एक बड़ा शिखर सम्मेलन संपन्न करवा कर हटे हैं जिसमें दुनिया के तीन सबसे ताकतवर नेताओं में से दो, व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग, दोनों ने हिस्सा लिया था। अखबार इस बात से पटे पड़े हैं कि किस तरह पिछले छह महीनों में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इस्राइल युद्ध शुरू होने के बाद से, भारत के कुल तेल आयात का 51 फीसदी रूस से आया है। हमारे सेनाध्यक्ष गत सप्ताह ज़्यादातर समय रूस में रहे, नए हथियारों के सौदों पर बातचीत के सिलसिले में।

अगर ट्रंप रूस-ईरान टैरिफ कानून पर साइन कर देते हैं तो उन्हें क्या लगता है कि इससे मोदी पर किसी किस्म का दबाव बन पाएगा? क्या उन्हें लगता है कि भारत डर के मारे पीछे हट जाएगा-कुछ-कुछ रोते-बिलखते और नाक सिकोड़ते हुए एंटोनियो की तरह, इससे पहले कि पोर्शिया आकर शाइलॉक का खेल पलट दे- और भारत रूस के साथ अपने बहुपक्षीय रिश्ते खत्म कर देगा? फिर यहां पंजाब में भाजपा है, जो इस सूबे में भी अपने प्रभाव का विस्तार करना चाहती है, जो कि एक तरह से दबाव ही है, इस उम्मीद से कि इस सीमावर्ती राज्य के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में उसे अपना प्यार देकर नवाज़ेंगे। चुनाव में छह महीने बचे हैं, हर राजनीतिक दल का निशाना भी यही है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने राज्य के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का वादा किया है। कांग्रेस अपनी बिखरी पड़ी राज्य इकाई को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर बादल ज़िला-जिला घूम रहे हैं, अपनी पार्टी में फिर से जान फूंकने की कोशिश में, ताकि भविष्य के संभावित साथी, भाजपा के साथ लेन-देन में हाथ ऊपर रखने में मदद मिल पाए। बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि क्या पंजाब इन दिनों शतरंज खेल रहा है या अपने भविष्य के लिए जुआ खेल रहा है। अगर यह पहला है, तो इस बड़े खेल में मोहरे कौन हैं? अगर दूसरा है, तो पत्ते किसके हाथ में हैं? तो गत सप्ताह जो बात खास रही, वह है जिस ढंग से भाजपा ने पंजाब में अपना चुनाव प्रचार शुरू किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पठानकोट में पगड़ी पहनकर और तलवार लहराते हुए दिखे, और पंजाबी में कुछ शब्द बोलने के साथ पार्टी की नशा-विरोधी यात्रा शुरू की; संयोगवश, नबीन और राज्य इकाई अध्यक्ष केवल ढिल्लों, दोनों ने, लिखा-लिखाया भाषण पढ़कर सुनाया। चुनाव प्रचार शुरू करने के स्थल का चयन— पठानकोट का एकता स्थल, वह यादगार जगह जहां से जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मई 1953 में जम्मू-कश्मीर में लागू तत्कालीन परमिट व्यवस्था को हटाने के वास्ते जम्मू तक की अपनी यात्रा शुरू की थी — भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मुखर्जी भाजपा के शीर्ष नेताओं में एक कद्दावर हस्ती थे। पार्टी इस साल उनकी 125वीं जयंती मना रही है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के खिलाफ उनका दिया नारा :'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगा' दशकों तक गूंजता रहा। जब 2019 में यह अनुच्छेद हटाया गया,तो भाजपा ने विचारधारा आधारित अपने तीन वादों में से एक को पूरा किया, जो 1980 में पार्टी शुरू होने के बाद से सदा कायम रहे (शेष दो में एक था राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण और दूजा है, समान नागरिक संहिता लागू करना—उत्तराखंड यह पहले ही कर चुका है, जबकि गुजरात, असम और मध्य प्रदेश इस राह पर हैं; ये सभी भाजपा शासित राज्य हैं)।

पठानकोट में नबीन का संदेश एकदम साफ था। भाजपा पंजाब को लुभाना चाहती है, लेकिन अपनी विचारधारा की कीमत पर नहीं। सवाल यह है कि आने वाले महीनों में यह कैसे हो पाएगा। भाजपा चुनाव मिलकर लड़ने के वास्ते अकाली दल के साथ गठबंधन करेगी या नहीं? दोनों पक्षों को बखूबी पता है कि गठबंधन उनके आपसी फायदे के लिए कारगर हो सकता है— यह होने पर जहां भाजपा उम्मीदवार पंजाब के गांवों में घुसने लायक हो सकेंगे, जहां पर ज़्यादातर आबादी सिखों की है, और अब तक उनका स्वागत काले झंडों से होता आया है; तो वहीं अकाली दल की पहुंच शहरी इलाकों में भाजपा के हिंदू मतदाताओं तक बन सकती है। कम से कम, कागजों पर तो यही गणित है, जब पिछले सप्ताह से पंजाब की लड़ाई शुरू हो रही है। फिर यहां पर अमृतपाल सिंह, खडूर साहिब से कट्टरपंथी सांसद, जो कि पिछले तीन साल से डिब्रूगढ़ जेल में बंद है, और जिसके राजनीतिक संगठन, 'वारिस पंजाब दे' का वजूद अन्य राजनीतिक दलों के अलावा नजर आ रहा है। समस्या यह है कि असल ज़िंदगी में, दबाव कभी इस तरह से काम नहीं करता। ट्रंप यह जानते हैं और प्रधानमंत्री मोदी भी—1980 के दशक में पंजाब और हरियाणा में बतौर एक युवा प्रचारक पाए उनके अनुभवों ने उन्हें इस सीमावर्ती सूबे के लोगों की वह समझ दी है जो भाजपा में बहुत कम लोगों को होगी।

मोदी जानते हैं कि भाजपा और अकाली दल के बीच गठबंधन कारगर बनाने के लिए केवल जातीय कार्ड चलने से अधिक पासे चलने होंगे (जैसे कि जाट सिख, दलित सिख, पंजाबी खत्री) या धर्म (गुरुद्वारा, मंदिर, डेरा) का जोड़-तोड़; यह कि केवल 13 सांसद और लगभग नगण्य मुस्लिम आबादी वाला यह छोटा सा राज्य अभी भी देश का मूड बदलने में सक्षम है। यह भी कि फरवरी में लुधियाना में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जैसे को भी यह स्वीकार करना पड़ा था कि 'आरएसएस सिख धर्म को एक अलग और विशिष्ट धर्म मानता है'। अवश्य, ट्रंप जानते हैं कि पंजाब में कुछ तो बात है, वर्ना दाढ़ी वाले दक्षिण एशियाई आदमी को निशाना बनाते अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ़ होमलैंड सिक्योरिटी के उस वाहियात विज्ञापन को - 'हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह'- इतनी जल्दी वापस नहीं लिया गया होता। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास अब तय करने के लिए नौ दिन हैं कि रूस संबंधी कानून पर हस्ताक्षर करने हैं या नहीं, जोकि भारत को भी निशाना बनाता है। अवश्य ही, उन्हें पता होना चाहिए कि भारतीयों को एक-दूसरे से असहमत होना तब तक ही पसंद है जब तक कि पंजाब के धान के खेतों में गई गायें पेट भरकर घर वापस न आ जाएं — और आने वाले विधान सभा चुनावों में किसे और क्यों वोट देना है, इस पर बहस करें — लेकिन जब बात विदेश नीति की आए, तो नेहरू से लेकर वाजपेयी तक, और मनमोहन सिंह से लेकर मोदी तक, देश भर के भारतीय दिल्ली में अपनी सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े होंगे।

नेस्ले के व्यापारिक सफर की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई यह है कि वह विकसित यूरोपीय देशों के नागरिकों के लिए उच्च स्वास्थ्य मानक रखती है, जबकि भारत जैसे विकासशील देशों के उपभोक्ताओं के लिए बिल्कुल अलग और हानिकारक नीति अपनाती है। एक स्विस खोजी एनजीओ की रिपोर्ट में यह पहले ही खुलासा हो चुका है कि नेस्ले अपने सबसे प्रसिद्ध शिशु आहार ब्रांड 'सेरेलैक' के निर्माण में दोहरी नीति अपनाता है। कंपनी जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे अमीर यूरोपीय देशों में जो सेरेलैक बेचती है, उसमें ऊपर से एक ग्राम भी अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई जाती। इसके विपरीत, वही सेरेलैक जब भारत के माता-पिता अपने छह महीने के मासूम बच्चे के लिए खरीदते हैं, तो उसमें प्रति सर्विंग 2.7 ग्राम से तीन ग्राम तक अतिरिक्त रिफाइंड चीनी छिपी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइंस कहती हैं कि शिशुओं को दो साल की उम्र तक किसी भी तरह की अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए। नेस्ले ने भारतीय बच्चों के स्वाद ग्रंथियों को जानबूझकर चीनी का आदी बनाया ताकि उनके उत्पाद की बिक्री लगातार बढ़ती रहे, भले ही इसके परिणामस्वरूप बच्चों में बचपन का मोटापा, दांतों की सड़न और भविष्य में डायबिटीज का खतरा पैदा हो जाए।

विदेशी 'नेस्ले' का भारतीय उपभोक्ताओं के साथ धोखा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय खाद्य सुरक्षा नियामक ने देश के सबसे बड़े और बहुराष्ट्रीय ब्रांड्स में से एक, नेस्ले इंडिया लिमिटेड के खिलाफ शिशु पोषण उत्पादों में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर तीन अलग मामले दर्ज किए हैं। यह कानूनी कार्रवाई देश के उन मासूम नवजातों की सेहत से जुड़ी है, जो खुद बोलकर अपनी तकलीफ बयां नहीं कर सकते। वस्तुतः यह उस लंबी फेहरिस्त की एक और कड़ी है, जो समय-समय पर यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारत जैसे विशाल विकासशील देश को बहुराष्ट्रीय कंपनियां सिर्फ एक बड़ा 'मुनाफा कमाने का बाजार' मानती हैं? 1912 से शुरू हुई ये कंपनी 114 साल से अधिक लंबी यात्रा में आज 23,194.95 करोड़ से अधिक का वार्षिक टर्नओवर पर जा पहुंची है।

नेस्ले के व्यापारिक सफर की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई यह है कि वह विकसित यूरोपीय देशों के नागरिकों के लिए उच्च स्वास्थ्य मानक रखती है, जबकि भारत जैसे विकासशील देशों के उपभोक्ताओं के लिए बिल्कुल अलग और हानिकारक नीति अपनाती है। एक स्विस खोजी एनजीओ की रिपोर्ट में यह पहले ही खुलासा हो चुका है कि नेस्ले अपने सबसे प्रसिद्ध शिशु आहार ब्रांड 'सेरेलैक' के निर्माण में दोहरी नीति अपनाता है। कंपनी जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे अमीर यूरोपीय देशों में जो सेरेलैक बेचती है, उसमें ऊपर से एक ग्राम भी अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई जाती। इसके विपरीत, वही सेरेलैक जब भारत के माता-पिता अपने छह महीने के मासूम बच्चे के लिए खरीदते हैं, तो उसमें प्रति सर्विंग 2.7 ग्राम से तीन ग्राम तक अतिरिक्त रिफाइंड चीनी छिपी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइंस कहती हैं कि शिशुओं को दो साल की उम्र तक किसी भी तरह की अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए। नेस्ले ने भारतीय बच्चों के स्वाद ग्रंथियों को जानबूझकर चीनी का आदी बनाया ताकि उनके उत्पाद की बिक्री लगातार बढ़ती रहे, भले ही इसके परिणामस्वरूप बच्चों में बचपन का मोटापा, दांतों की सड़न और भविष्य में डायबिटीज का खतरा पैदा हो जाए। यानी कि आज भारत में जिन बच्चों के दांत खराब हो रहे हैं, आप मान सकते हैं कि इसके लिए कहीं न कहीं ये एवं इस जैसी अन्य कंपनियां जिम्मेदार हैं। भ्रामक मार्केटिंग और ममता का बाजारीकरण भारत का कानून इन्फेंट मिल्क सब्स्टीट्यूट्स (आईएमएस) एक्ट, 1992 और एफएसएसएआई रेगुलेशन, 2020 नवजात शिशुओं के फॉर्मूला मिल्क के किसी भी प्रकार के व्यावसायिक विज्ञापन या उसे स्तनपान से बेहतर बताने वाले दावों पर पूरी तरह रोक लगाता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि मां का दूध ही शिशु के लिए सर्वोत्तम है। इसके बावजूद, नेस्ले इंडिया ने भारतीय उपभोक्ताओं को गुमराह करने के लिए भ्रामक विज्ञापनों का सहारा लिया। कंपनी ने अपने नैन एक्सेला प्रो स्टेज-1 उत्पाद पर '5 एचएमओ' और 'व्हे प्रोटीन' के बड़े-बड़े दावे करके माताओं को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की कि यह डिब्बाबंद दूध मां के प्राकृतिक दूध जैसा ही शक्तिशाली है। इसी तरह, लैक्टोजन प्रो-1के प्रचार में गैर-प्रमाणित रूप से लिखा गया कि इसका व्हे प्रोटीन 'पचने में बेहद आसान' होता है. एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी चीज खरीदना चाहती है, किंतु नेस्ले ने अपनी भारी-भरकम और भ्रामक वैज्ञानिक शब्दावली के जरिए भारतीय माताओं के मन में यह भ्रम पैदा किया, जोकि पूरी तरह से गैर-कानूनी प्रचार स्टंट और उपभोक्ता अधिकारों का हनन है। पोषक तत्वों में कटौती और गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ जब बात बच्चों या आम जनता के भोजन की हो तो शुद्धता के मानकों पर 100 फीसद खरा उतरना अनिवार्य है लेकिन नेस्ले इंडिया का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि उसने कई मौकों पर भारतीय मानकों को हल्के में लिया। एफएसएसएआई की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट में नेस्ले इंडिया के एक इन्फेंट मिल्क (फॉलो-अप फॉर्मूला) का सैंपल पूरी तरह मानकों से कम पाया गया है। इस प्रोडक्ट में बच्चों के दिमागी और शारीरिक विकास के लिए आवश्यक विटामिन बायोटिन (बायोटिन यानी विटामिन बी-7) की मात्रा तय भारतीय कानूनी सीमा से काफी कम मिली। उपभोक्ता डिब्बे पर लिखी न्यूट्रिशन वैल्यू को सच मानकर पूरी कीमत चुकाता है किंतु डिब्बे के अंदर बंद पाउडर में वह पोषण होता ही नहीं है जिसका वादा किया गया था, वस्तुतः यह सीधे तौर पर भारतीय ग्राहकों की जेब काटने और उनके बच्चों को कुपोषण की ओर धकेलने जैसा धोखा है। भारत में नेस्ले द्वारा किए गए उपभोक्ताओं के भरोसे के सबसे बड़े कत्ल के रूप में साल 2015 का मैगी विवाद हमेशा याद किया जा सकता है।

1983 में भारत में लॉन्च होने के बाद मैगी ने भारतीय घरों में 'दो-मिनट' के जादुई स्लोगन से अपनी जगह बनाई थी और बाजार के एक बहुत बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था, पर जब जांच हुई तो सामने आया कि उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जांच में मैगी के सैंपल्स में लेड (शीशा) की मात्रा तय सुरक्षित सीमा (2.5 पीपीएम) से कई गुना अधिक थी। लेड इंसान के शरीर, विशेषकर बच्चों के लिवर, किडनी और मस्तिष्क विकास के लिए एक खतरनाक न्यूरोटॉक्सिन (धीमा जहर) है। इसके अलावा, मैगी के हर पैकेट पर लिखा होता था-'नो एडेड एमएसजी', मगर प्रयोगशालाओं की जांच में इसमें मोनोसोडियम ग्लूटामेट (एमएसजी) की मौजूदगी पाई गई। इस बड़े धोखे के बाद एफएसएसएआई ने देशव्यापी प्रतिबंध लगाते हुए नेस्ले को 38,000 टन मैगी बाजार से वापस मंगाकर नष्ट करने पर मजबूर किया था और भारत सरकार ने कंपनी के खिलाफ 640 करोड़ का मुकदमा भी दायर किया था। यह आरोप सिर्फ भारतीय नियामकों का नहीं है, स्वयं नेस्ले के वैश्विक नेतृत्व ने इस सच को स्वीकारा है। साल 2021 में नेस्ले के सामने आए आंतरिक दस्तावेज में कंपनी ने खुद कबूल किया कि उसके मुख्यधारा के खाद्य और पेय पोर्टफोलियो (जैसे नूडल्स, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी) के 60 फीसद से अधिक उत्पाद स्वास्थ्य की स्थापित अंतरराष्ट्रीय परिभाषाओं पर खरे नहीं उतरते हैं। कंपनी ने माना था कि उनके कुछ श्रेणियों के उत्पादों को वे चाहे जितनी कोशिश कर लें, कभी भी 'न्यूट्रिशियस या पूरी तरह हेल्दी' नहीं बनाया जा सकता। इसके बावजूद, भारतीय बाजारों में आकर्षक विज्ञापनों के जरिए इन उत्पादों को 'खुशियों का जरिया' और 'बच्चों के टिफिन का सबसे अच्छा साथी' बताकर धड़ल्ले से परोसा जाता है। ऐसे में नेस्ले इंडिया की यात्रा यह साफ दर्शाती है कि कोई भी कॉर्पोरेट ब्रांड तब तक पूरी तरह जवाबदेह नहीं बनता, जब तक कि उपभोक्ता खुद जागरूक न रहे। वस्तुतः नेस्ले द्वारा भारत में लगातार किए जा रहे ये उल्लंघन इस बात का प्रमाण हैं कि कंपनियां ढीले कानूनी मुकदमों और जुर्माने की राशियों को अपने व्यापार के खर्च का हिस्सा मान चुकी हैं। जब तक उपभोक्ता इन भ्रामक दावों को खुद नकारना शुरू नहीं करेंगे, तब तक मुनाफे का यह खेल हमारी सेहत की कीमत पर खेला जाता रहेगा।

विचार

टूटती मर्यादाओं व नैतिक पराभव से सिसकती इंसानियत

सुरेश सेठ

मान्यता रही है कि अगर मानवीय मूल्यों को शिरोधार्य किया जाए, तो यह जिंदगी स्वर्ग ही बन जाए। विडंबना है कि आज अंध भौतिकवाद के चलते सुख-सुविधाएं जुटाने की अंधी दौड़ में मानवता का पराभव, आदर्शों का पतन और हर गैर-कानूनी काम को कानूनी बना देने की होड़ शुरू हो गई है। आर्थिक संपन्नता के लिए हमने मर्यादा, नैतिकता और सच्चरित्रता को बिसार दिया है। क्षणिक सुख के लिए हम वह सब कर गुजरने को तैयार हो जाते हैं, जिसकी कल्पना हमारे पूर्वजों ने भी नहीं की होगी। आज के दौर में सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और साहित्य व ललित कलाओं से जीवन में नवस्फुरण पैदा कर देना बीते युग की बात हो गई है। आज जो अमर्यादित है, वही इस युग की पहचान बनता जा रहा है। जब लोगों के सामने यह सच्चाई खुलकर आती है, तो मानवता शर्मसार होती नजर आती है। इन दिनों पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में कुछ ऐसी अमानवीय घटनाएं घटी हैं, जिन्होंने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। हाल ही में पंजाब के बठिंडा जिले के गांव भाई बख्तौर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई। यहां फसल खराब होने से परेशान होकर किसान सौदागर सिंह ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक किसान ने अर्थराइटिस के कारण टाइटेनियम धातु से बने कृत्रिम घुटने लगवाए थे। हृदयहीनता की हद तो तब हो गई, जब अंतिम संस्कार के पश्चात अस्थियां चुनने के बहाने एक नशेड़ी ने चिता से वे कृत्रिम घुटने चुराए और थैले में डालकर भागने लगा। हालांकि, परिवारवालों की सतर्कता के कारण उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। सवाल यह उठता है कि आखिर हमारी मानवीय संवेदनाएं कहां चली गई हैं? यह इतनी निकृष्ट हरकत है जो यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि चोर अब चिताओं को भी नहीं बख्श रहे हैं। वहीं असम के गुवाहाटी से भी एक ऐसी वीभत्स घटना सामने आई है, जिसके बारे में कोई सामान्य इंसान सोच भी नहीं सकता। यहां एक युवक ने अपनी 25 वर्षीय पत्नी रिया तालुकदार की बेरहमी से हत्या कर दी। उसने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और दोनों हाथों की उंगलियां काटकर फ्रिज में छिपा दीं। मृतका का बिना सिर का शव फ्लैट में ही पड़ा रहा। जब उस बंद फ्लैट से असहनीय बदबू आने लगी, तो पड़ोसियों की शिकायत पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

ये ऐसी घटनाएं हैं, जिनके बारे में सोचकर ही मन सिहर उठता है और अंतरात्मा बेचैन होकर रह जाती है। आखिर हम किस समाज की रचना कर रहे हैं? यह केवल संवेदनहीनता की बात नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों के पूरी तरह बिखर जाने की दास्तान है। उदाहरण के लिए, एक लाचार पिता मृत्युशैया पर पड़ा था और उसके दो बेटे विदेश में थे। उन बेटों ने आपस में यह निर्दयी फैसला किया कि एक भाई पिता की बीमारी के समय जाएगा और दूसरा उनके दाह-संस्कार पर। इस बीच पिता की मृत्यु हो गई, लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं आया; बस अंतिम संस्कार के खर्च के लिए पैसे भिजवा दिए गए। जिन माता-पिता ने अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर और अपनी जमीन-जायदाद बेचकर बच्चों को सुनहरे भविष्य के लिए विदेश भेजा था, आज पीछे छूटे खाली मकान उन रिश्तों की बाट जोह रही हैं। अब इस विकट समस्या का स्थायी समाधान तलाशना बेहद जरूरी हो गया है। आज विदेशों में भी भारतीय युवा पीढ़ी का पहले जैसा स्वागत नहीं किया जाता। वहां के स्थानीय लोग इन्हें कम वेतन पर काम करने और अपनी नौकरियां छिनने का जिम्मेदार मानते हैं। यही वजह है कि अब हर देश उन्हें वापस भेजने के रास्ते तलाश रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में भारत जैसे सर्वाधिक युवा आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। दुर्भाग्य से, यह बात राजनेताओं द्वारा केवल चुनावी मंचों से ही कही जाती है। युवा यथोचित रोजगार न होने से विदेशों की ओर दौड़ रहे हैं। फलतः भारत 'बुजुर्गों का देश' बनाता जा रहा है। सरकार की ओर से युवाओं को रोज़गार देने के बड़े-बड़े दावे किए गए। नई शिक्षा नीति को रोज़गारपरक बनाने, देश को डिजिटल रूप से सशक्त करने और कृत्रिम मेधा के शिखर पर पहुंचाकर नए अवसर पैदा करने की बातें तो कही गईं। लेकिन ये सब महज़ कागज़ी सपने ही साबित हुए। रोज़गार विहीनता के दलदल में फंसा युवा वर्ग नशे और निठल्लेपन की ओर बढ़ रहा है। यही सामाजिक और आर्थिक भटकाव अंततः उन्हें उन अमानवीय और घिनौने कृत्यों की ओर धकेल रहा है। सवाल यह उठता है कि खोखले दावों और नैतिक पतन का यह जानलेवा माहौल आखिर कब और कैसे बदलेगा?

एक नजर

बाढ़ की गाद किसानों के लिए वरदान, पर बरतें सावधानी: डीएओ

कटिहार,एजेंसी। बाढ़ के पानी के साथ खेतों में जमा होने वाली प्राकृतिक नदीय गाद (सिल्ट) केवल नुकसान नहीं, बल्कि मिट्टी की उर्वरता और संरचना सुधारने का प्राकृतिक जरिया बन सकती है। बशर्ते किसान इसका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करें। जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) राजीव कुमार ने किसानों को सलाह दी है कि वे बाढ़ के बाद खेतों में जमा गाद को केवल आपदा के रूप में न देखें, बल्कि उसकी गुणवत्ता परखकर खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में उसका उपयोग करें। डीएओ के अनुसार, स्वच्छ नदीय गाद में महीन खनिज कण, कार्बनिक पदार्थ और आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। यह मिट्टी की भौतिक बनावट सुधारने, जलधारण क्षमता बढ़ाने और कटाव ग्रस्त ऊपरी परत के पुनर्निर्माण में मदद करती है। साथ ही यह मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करती है। ऐसे में यदि गाद स्वच्छ नदी या प्राकृतिक जलधारा से आई है, तो पानी सूखने के बाद उसे खेत की मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

बिना मृदा परीक्षण रासायनिक खादों से परहेज

कृषि विभाग ने किसानों को हिदायत दी है कि गाद जमा होने के बाद बिना सोचे-समझे यूरिया, डीएपी या अन्य रासायनिक उर्वरकों की अतिरिक्त खुराक न डालें। आगामी रबी या अन्य फसलों की बुआई से पहले खेत की मिट्टी की जांच (मृदा परीक्षण) अवश्य कराएं। परीक्षण रिपोर्ट में पोषक तत्वों की वास्तविक स्थिति जानने के बाद ही संतुलित मात्रा में खाद का प्रयोग करें।

प्रदूषित गाद से सतर्क रहने की जरूरत

डीएओ ने स्पष्ट किया कि हर प्रकार की गाद खेत के लिए मुफीद नहीं होती। यदि गाद किसी औद्योगिक नाले, सीवेज या प्रदूषित जलस्रोत के बहाव से आई है, तो उसमें विषैले और हानिकारक रसायन हो सकते हैं। ऐसी गाद का उपयोग बिना जांच के कतई न करें। किसान पहले जल निकासी सुनिश्चित करें, गाद के स्रोत व मोटाई की जांच करें और वैज्ञानिक सलाह के आधार पर ही फसल चक्र का चयन करें।

डीयू छात्रसंघ चुनाव में अभाविप की जीत पर सुपौल में जश्न

सुपौल,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रदर्शन पर सुपौल में कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल लगाकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने जीत को संगठन की मजबूती और छात्रों के बीच लगातार किए जा रहे कार्यों का परिणाम बताया। इस अवसर पर अभाविप के प्रांत सह मंत्री शिवजी कुमार ने कहा कि डीयू छात्रसंघ में अध्यक्ष पद सहित महत्वपूर्ण पदों पर विद्यार्थी परिषद की जीत संगठन की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लगातार छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रहते हैं। अभाविप के पूर्व विभाग संयोजक मिथिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में मिली जीत राष्ट्रवाद की जीत है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता लंबे समय से छात्रों के बीच रहकर काम कर रहे हैं और चुनाव परिणाम उसी का परिणाम है। विभाग संयोजक राजेश कुमार ने कहा कि देश में अराजक तत्वों द्वारा राष्ट्रवाद को कमजोर करने का प्रयास किया गया और गलत माहौल बनाने की कोशिश हुई, लेकिन विद्यार्थी परिषद ने अपने संघर्ष और राष्ट्रवादी विचारधारा के माध्यम से इसका जवाब दिया है। जश्न के दौरान प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नीरज कुमार, किशोर कुमार, आशुतोष कुमार, मनीष कुमार, रिंकू कुमार, रणधीर कुमार, पीतांबर कुमार, अजय राम, कुंदन कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और अबीर-गुलाल लगाकर जीत की खुशी मनाई।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन

सहरसा। मेरा युवा भारत, सहरसा द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत 100 सप्ताह के नशा मुक्त युवा अभियान के क्रम में आज मेरा युवा भारत कार्यालय, सहरसा में राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा नशा मुक्त, स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर युवा शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं, मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों एवं युवा क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज में नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती तृप्ति जैन, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, सहरसा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर युवाओं एवं स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा अभियान के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में युवाओं, मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों तथा विभिन्न युवा क्लबों के सदस्यों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की और नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन 'नशा मुक्त युवा और विकसित भारत' के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित युवाओं ने जागरूकता, जिम्मेदारी एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

थाईलैंड के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने किया महाबोधि मंदिर का दर्शन, बिहार की बौद्ध विरासत से हुए अभिभूत

पटना,एजेंसी। बिहार पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित 'फैम टूर ऑफ लोटस ट्रायंगल-ट्रैवल टू लैंड ऑफ एनलाइटेनमेंट' के तहत थाईलैंड से आए 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को बोधगया स्थित विश्वप्रसिद्ध महाबोधि मंदिर का दर्शन किया। पवित्र बौद्ध परिपथ की यात्रा पर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने महाबोधि मंदिर में प्रार्थना कर भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली का आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल महाबोधि मंदिर बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए प्रमुख तीर्थस्थल और आध्यात्मिक केंद्र है। थाई प्रतिनिधिमंडल ने उस पवित्र स्थल पर श्रद्धा व्यक्त की, जहां मान्यता के अनुसार भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। मंदिर परिसर की शांति, करुणा और आध्यात्मिक वातावरण ने थाई अतिथियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। विशेष सचिव सह पर्यटन निदेशक उदयन मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार राज्य के बौद्ध परिपथ से जुड़े स्थलों के विकास, प्रचार-प्रसार और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि थाई प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा बिहार की बौद्ध विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के साथ-साथ भारत और थाईलैंड के बीच पर्यटन एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने में सहायक होगा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बोधगया की यात्रा को अविस्मरणीय अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली पर पहुंचना उनके लिए आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षण रहा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बोधगया के डूंगरेश्वरी पहाड़ी, सुजाता मंदिर और सुजाता स्तूप का भी भ्रमण किया। इसके अलावा थाई मंदिर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संग्रहालय तथा 80 फीट ऊंची बुद्ध प्रतिमा का अवलोकन किया।

यात्रा के दौरान थाई अतिथियों को बिहार की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य से भी परिचित कराया जा रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा तैयार कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को राज्य के बौद्ध, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों से रूबरू कराना है। बोधगया से शुरू हुई प्रतिनिधिमंडल की यात्रा राजगीर, नालंदा, वैशाली और पटना तक जारी रहेगी। 21 सितंबर को प्रतिनिधिमंडल गेहलौर में दशरथ मांझी स्मारक, राजगीर नेचर सफारी और ग्लास ब्रिज का भ्रमण करेगा। इसके बाद नालंदा स्थित विश्व धरोहर स्थल प्राचीन नालंदा महाविहार तथा राजगीर के विश्व शांति स्तूप, वेणुवन समेत अन्य प्रमुख स्थलों का अवलोकन प्रस्तावित है।

यात्रा के अगले चरण में प्रतिनिधिमंडल वैशाली में अवशेष स्तूप, विश्व शांति स्तूप और कोल्हुआ स्थित अशोक स्तंभ का भ्रमण करेगा। यात्रा के अंतिम चरण में पटना में स्थानीय पर्यटन हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। पर्यटन विभाग के अनुसार, यह यात्रा भारत और थाईलैंड के बीच साझा बौद्ध विरासत तथा सदियों पुराने आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

नीतीश कुमार ने आपदा प्रबंधन के लिए बनाया था एसओपी, राजद शासन में राहत के नाम पर होती थी लूट-खसोट : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना। बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि सरकारी खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद नीतीश कुमार ने आपदा प्रबंधन विभाग का गठन किया, ताकि आपदा से जुड़े सभी कार्यों का बेहतर समन्वय हो सके। उन्होंने कहा वर्ष 2010 में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडड ऑपरेटिंग प्रोसिडियोर (एसओपी) का सूत्रण किया गया, जिसमें बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारियों, राहत एवं बचाव तथा बाढ़ एवं सुखाड़ के बाद की जाने वाली कार्रवाइयों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसी सोच और नीति के तहत एनडीए सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तत्परता के साथ राहत एवं बचाव अभियान चला रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तेजस्वी यादव मीडिया में चेहरा चमकाने के लिए तथ्यों से परे अनाप-शनाप बयानबाजी करते हैं और जनता को भ्रमित करने की कोशिश करते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि राज्य सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कुल 12 बाढ़ राहत शिविरों एवं 1,260 सामुदायिक रसोइयों का संचालन किया गया है। करीब 4 लाख से अधिक पॉलिथीन शीट एवं 90 हजार से अधिक सूखा राशन के पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। वहीं, 17 हजार क्विंटल से अधिक पशुचारा भी वितरित किया गया है। उन्होंने कहा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 1,600 से अधिक नावों का संचालन किया गया है। त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 27 एसडीआरएफ और 10 एनडीआरएफ की टीमें भी पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं। कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 8 लाख से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 7 हजार रुपये की सहायता राशि भेजी है। स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में राहत शिविरों में मेडिकल टीमें पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी लगातार बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तेजस्वी यादव के माता-पिता के शासनकाल में बाढ़ पीड़ितों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता था। आपदा राहत के नाम पर उस दौर में हुई लूट-खसोट के किस्से आज भी बिहार की जनता के बीच चर्चा में हैं। बाढ़ राहत घोटाले की खबरें देशभर के अखबारों की सुर्खियां बनती थीं और बाढ़ पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं था।

कटिहार में बाढ़ से 4.75 लाख आबादी अब भी प्रभावित, 94 सामुदायिक रसोई और 122 नावें राहत कार्य में जुटीं

कटिहार। जिले में गंगा, कोसी, बरंडी और कारी कोसी नदियों के उफान से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति से वर्तमान में 7 प्रखंडों की 4 लाख 75 हजार से अधिक आबादी प्रभावित है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जिले में अब तक कुल 9 लाख 39 हजार 766 लोग बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। हालांकि, राहत कार्यों को तेज करते हुए प्रशासन द्वारा वर्तमान में 94 सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं, जहां प्रतिदिन करीब 1.65 लाख लोगों को भोजन कराया जा रहा है। जिले में आवागमन के लिए 122 नावें लगाई गई हैं।

बाढ़ से जिले के कुरसेला, बरारी, मनिहारी, अमदाबाद, मनसाही, समेली और प्राणपुर प्रखंड अंतर्गत 33 पंचायतों के 256 गांव तथा 3 नगर निकायों के 318 वार्ड पानी से घिरे हुए हैं। बाढ़ के कारण किसानों को भी भारी क्षति पहुंची है। कुल 6,843 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिसमें से 2,234 हेक्टेयर में लगी फसलें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इससे किसानों को लगभग 379.78 लाख (3.80 करोड़) रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। बाढ़ पीड़ितों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने अब तक कुल 458 सामुदायिक रसोइयां खोली थीं, जिनमें से वर्तमान में 94 क्रियाशील हैं। रविवार को 1,65,592 लोगों (दोपहर में 87,184 और रात में 78,408) ने इन रसोइयों में भोजन किया। अब तक जिले में कुल 66 लाख 24 हजार 562 लोगों को भोजन कराया जा चुका है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए 2 मोटरबोट, 40 सरकारी नावें और 80 निजी नावें (कुल 122 नावें) संचालित हैं। राहत की बात यह है कि जिले में बाढ़ से किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि दर्ज नहीं की गई है। संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 25 सचल स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां रविवार को 1,580 मरीजों का इलाज किया गया (अब तक कुल 30,726 लोग लाभान्वित)। इसके अलावा 533 हैलोजन टैबलेट और 59 किलोग्राम ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। पशुओं के उपचार के लिए 4 पशु चिकित्सा कैंप कार्यरत हैं, जिनमें 138 पशुओं का इलाज हुआ।

बिहार सरस मेला 2026 का शुभारंभ, 15 राज्यों की महिला शिल्पकार कर रही हैं शिरकत

पटना,एजेंसी। ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार सरस मेला-2026 का रविवार की शाम ज्ञान भवन, पटना में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शुभारंभ किया। यह मेला 20 सितंबर से 29 सितंबर 2026 तक चलेगा। शुभारंभ के उपरांत मंत्री ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, सजावटी सामानों, जैविक उत्पादों और पारम्परिक देशी व्यंजनों की प्रदर्शनी एवं बिक्री स्टॉल पर जाकर उद्यमियों से संवाद किया और उनके उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार और उद्यमशीलता की सराहना की।

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार की महिला उद्यमियों के उत्पादों के सामूहिक ब्रांड बिहारिका के नए लोगो का लोकार्पण भी किया गया। बिहारिका ब्रांड के माध्यम से जीविका दीदियों के उत्पादों को एक नई पहचान के साथ व्यापक बाजार तक पहुँचने का अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि जीविका का मूल उद्देश्य गरीब परिवारों को संगठित करते हुए उनकी आजीविका को बढ़ाना और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण विकास विभाग ने महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई हैं। उन्होंने विशेष रूप से सतत् जीविकोपार्जन योजना और मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं की सफलता ने गांवों के समग्र विकास और गरीबी उन्मूलन में अहम योगदान दिया है। सरस मेला इसी दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में सरस मेले में आएं, ग्रामीण महिला उद्यमियों के उत्पादों को देखें, खरीदें और उन्हें प्रोत्साहित करें। समारोह में आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा ने कहा कि बिहार सरस मेला ग्रामीण महिला उद्यमियों की मेहनत, हुनर और उद्यमशीलता को एक बड़ा मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल उत्पादों की बिक्री का माध्यम नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सशक्तीकरण का उत्सव है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष के सरस मेले में बिहार सहित 15 राज्यों की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी सैकड़ों महिला उद्यमी अपने-अपने प्रदेश के विशिष्ट शिल्प, स्वाद, परंपरा और संस्कृति को लेकर आई हैं। ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव एच.आर. श्रीनिवास ने कहा कि बिहार में सरस मेले का आयोजन ग्रामीण विकास और बाजार के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीविका ने बिहार में महिला सशक्तीकरण की एक मजबूत नींव रखी है और सरस मेला जैसे पहल के माध्यम से ग्रामीण उत्पादों को शहरी और राष्ट्रीय बाजार से जोड़ा जा रहा है, जिससे जीविका दीदियों की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। जीविका का यह मॉडल आज पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। कार्यक्रम के अंत में मंचासीन अतिथियों को जीविका दीदियों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का समापन बिहार राज्य गीत के गायन के साथ हुआ।

पटना की 108 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक जलमीनार को मिलेगा नया जीवन: नीतीश मिश्रा

पटना,एजेंसी। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि पटना के वीर चंद पटेल पथ स्थित मिलर हाई स्कूल के समीप 108 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक जलमीनार के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पटना नगर निगम द्वारा जलमीनार परिसर के विकास, सौंदर्यीकरण एवं कैफेटेरिया निर्माण के लिए लगभग 3.38 करोड़ रुपए की परियोजना हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। कार्यकारी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

मंत्री नीतीश मिश्रा ने रविवार को कार्यालय कक्ष में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के विज़न के अनुरूप बिहार की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक सुविधाओं और नए आकर्षण से जोड़ा जा रहा है। पटना की ऐतिहासिक जलमीनार का जीर्णोद्धार इसी संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने बताया कि परियोजना के तहत लगभग 14,400 वर्गफीट क्षेत्रफल में पूरे परिसर का समग्र विकास किया जाएगा। पर्यटकों एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए लगभग 2,500 वर्गफीट क्षेत्रफल में आधुनिक कैफेटेरिया का भी निर्माण किया जाएगा। इससे इस ऐतिहासिक स्थल पर आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ-साथ परिसर का आकर्षण भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1915 से 1918 के बीच निर्मित यह लगभग 130 फीट ऊंची जलमीनार पटना की ऐतिहासिक एवं तकनीकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लगभग 1 लाख गैलन पानी की क्षमता वाली इस जलमीनार की विशिष्ट संरचना और इसका अनूठा फ्लोटिंग इंडिकेटर उस दौर की उन्नत इंजीनियरिंग का परिचायक है। मंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक जलमीनार के जीर्णोद्धार एवं परिसर के विकास से पटना की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ इसे एक आकर्षक सार्वजनिक एवं पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। परियोजना के माध्यम से ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक जनसुविधाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा।

त्यौहारों में सफर होगा आसान : कटिहार से पूर्णिया और मनिहारी के बीच दौड़ेंगी स्पेशल ट्रेनें, गोमती नगर के लिए भी मिला सीधा फेरा

कटिहार,एजेंसी। आगामी दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने चार जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इसमें कटिहार रेलमंडल के यात्रियों की सुविधाओं को विशेष प्राथमिकता दी गई है। रेलमंडल के प्रमुख रेलखंडों कटिहार-पूर्णिया और कटिहार-मनिहारी के बीच जहां विशेष ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया गया है, वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ (गोमती नगर) के लिए भी कटिहार व पूर्णिया होकर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इससे सीमांचल और कोसी क्षेत्र के हजारों रेल यात्रियों को आगामी त्यौहारों के दौरान आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 07555/07554 कटिहार-पूर्णिया-कटिहार स्पेशल आगामी 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक दोनों दिशाओं में प्रतिदिन कुल 61-61 फेरों के लिए चलेगी। यह ट्रेन कटिहार से प्रतिदिन रात 9:30 बजे रवाना होकर 10:40 बजे पूर्णिया पहुंचेगी, जबकि वापसी में पूर्णिया से रात 11:40 बजे खुलकर देर रात 2:00 बजे कटिहार पहुंचेगी। रास्ते में यह दलन, रौतारा और रानीपतरा स्टेशनों पर रुकेगी। इसी प्रकार कटिहार-मनिहारी रेलखंड पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो अलग-अलग स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इनमें ट्रेन संख्या 07540/07539 कटिहार-मनिहारी-कटिहार स्पेशल 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक सप्ताह में पांच दिन (मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार) 43-43 फेरों के लिए चलेगी, जो कटिहार से शाम 7:00 बजे चलकर रात 8:00 बजे मनिहारी पहुंचेगी और वापसी में मनिहारी से तड़के 3:15 बजे खुलकर सुबह 4:15 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसके अतिरिक्त ट्रेन संख्या 07544/07543 कटिहार-मनिहारी स्पेशल 1 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक सप्ताह में दो दिन (सोमवार और गुरुवार) 18-18 फेरों के लिए चलेगी, जिसका प्रस्थान कटिहार से रात 8:30 बजे और मनिहारी से सुबह 5:00 बजे निर्धारित किया गया है। इन दोनों ट्रेनों का ठहराव मनसाही और महियारपुर में रहेगा।

लंबी दूरी के यात्रियों के लिए ट्रेन संख्या 05742/05741 न्यू जलपाईगुड़ी-गोमती नगर (लखनऊ)-न्यू जलपाईगुड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन 4 अक्टूबर से 30 नवंबर तक दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को सुबह 8:30 बजे न्यू जलपाईगुड़ी से रवाना होकर अगले दिन सुबह 9:10 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। वापसी में प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12:20 बजे गोमती नगर से चलकर मंगलवार दोपहर 3:00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी।

एक नजर

अंडर 19 टी —10 टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी यूपी और पूर्वांचल की टीमें, 29 सितंबर को रवाना होंगी

वाराणसी। टी —10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित होने वाली अंडर 19 टी —10 टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की टीमें 29 सितंबर को जम्मू-कटरा के लिए रवाना होंगी। इस प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में प्रदेश और पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व करने जा रहे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए रविवार को वाराणसी के लंका क्षेत्र के रमना ग्राम प्रधान अमित कुमार पटेल, बीएचयू पुलिस चौकी इंचार्ज सौरभ तिवारी बीएचयू के बिरला ग्राउंड पहुंचे। इस दौरान दोनों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि राष्ट्रीय स्तर के मंच पर खेलते समय जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना का पालन करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों से मैदान पर एकजुट होकर पूरी मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ खेलने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश की टीम में कप्तान कार्तिक गुप्ता के साथ विनायक जायसवाल, हर्षित विश्वकर्मा, सूरज यादव, उज्जवल, अंकित, रोहित, सिद्धार्थ, मिलित, ऋषभ, हिमांशु, रौनक और हर्ष शामिल हैं। वहीं, पूर्वांचल की टीम की कमान कृष्णा जायसवाल संभालेंगे। टीम में प्रथम जायसवाल, आर्यन चौबे, बादल, आयुष चौबे, प्रीतम, सौरभ, वैभव, अनवर, सार्थक, यश सिंह, मयंक और पृथ्वी शामिल हैं।

सीबीएसई राष्ट्रीय बालिका वर्ग बास्केट बाल प्रतियोगिता शुरू

डेहरी आन सोन। एक सच्चा खिलाड़ी वही है जो अपनी मंजिल को प्राप्त करने तक लगातार संघर्ष करता है।उतार चढ़ाव जीवन की सामान्य प्रक्रिया हैद्यइससे कभी घबराना नहीं चाहिए। राज्य की खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने रोहतास जिले के जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय सभागार में सीबीएसई राष्ट्रीय बालिका वर्ग बास्केट बाल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते रविवार को उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि नारायण वर्ल्ड स्कूल की मेजबानी में बिहार की धरती पर इस प्रकार का आयोजन अत्यंत गर्व का विषय है। पूर्व सांसद एवं गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुलिधिपति गोपाल नारायण सिंह ने कहा कि हमारे लिए है यह गर्व का विषय है कि देश और चार अन्य देशों के खिलाड़ी यहां खेलने आए हैं और उनका सेवा का अवसर हमें प्राप्त हुआ है। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने आए खिलाड़ियों का स्वागत किया एवं उन्हें किसी प्रकार की कोई तकलीफ ना हो उसके लिए आस्वस्त किया। नवीनगर के विधायक चेतन आनंद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डीएम दीपक कुमार मिश्रा,एसपी राज व खिलड़ी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में वंदे मातरम गायन के बाद विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति गोविंद नारायण सिंह ने सभी आगत अतिथियों, सीबीएसई के अधिकारियों ,खिलाड़ियों एवं विश्वविद्यालयआयोजन समिति तथा उपस्थित शिक्षक एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि देशभर की 65 से अधिक टीमें और 700 से अधिक बालिका खिलाड़ी गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में पहुंच चुकी हैं, जहां कल सुबह से ही बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भिड़ंत होगा ।इस आयोजन में कतर, ओमान, सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात से भी आठ टीमें भाग ले रही हैं।

मांडविया ने जापान में 'संडेज ऑन साइकिल' के 91वें संस्करण का किया नेतृत्व

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को जापान के नागोया स्थित मेइजो पार्क में 'संडेज ऑन साइकिल' के 91वें संस्करण का नेतृत्व किया। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों को एशियाई खेल-2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए एकजुट किया। खेल मंत्रालय के अनुसार यह पहल सरकार के उन प्रयासों को दर्शाती है, जिनके तहत खेलों की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से प्रवासी भारतीयों के साथ लोगों के आपसी संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही फिट इंडिया मूवमेंट के तहत फिटनेस और स्वस्थ जीवन शैली के संदेश को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। खेल मंत्री मांडविया ने कार्यक्रम के प्रतिभागियों से बातचीत की और एशियाई खेलों में भारत का समर्थन करने के लिए एक साथ आने के उनके उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि जापान के नागोया में एशियाई खेलों का शुभारंभ हो चुका है और भारत से 500 से अधिक एथलीटों का दल इन खेलों में भाग ले रहा है। मांडविया ने कहा कि नागोया में रहने वाले भारतीय प्रवासी समुदाय ने यहां आयोजित 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम में भाग लेकर हमारे खिलाड़ियों का समर्थन और हौसला बढ़ाने में उत्साह दिखाया है। हमारा दल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हमारे प्रवासी समुदाय उनका मनोबल बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मांडविया एशियाई खेल-2026 के लिए जापान के नागोया में हैं, जहां वे भारतीय खिलाड़ियों, अधिकारियों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की धमाकेदार शुरुआत, इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया है। भारतीय टीम ने रविवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 13-1 से करारी शिकस्त दी। गिफू प्रिफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। मुकाबले में भारत की ओर से आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। दिलप्रीत सिंह सबसे बड़े स्टार रहे। उन्होंने अकेले चार गोल दागे।

मुकाबले में भारतीय टीम को छठे मिनट में शिलानंद लकरा ने गोल कर 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद 12वें मिनट में अभिषेक ने भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। इंडोनेशियाई गोलकीपर ने शुरुआती दौर में भारत के कुछ प्रयासों को रोका, लेकिन भारत ने अपना दबाव कायम रखा। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने दो मिनट के भीतर दो गोल (18वें और 19वें मिनट में) करके बढ़त को 4-0 कर दिया। फिर 19वें मिनट में राजिंदर सिंह ने बेहतरीन फिनिशिंग के साथ गोल दागा और 21वें मिनट में मनदीप सिंह ने भी अपना पहला गोल किया। हरमनप्रीत सिंह ने 28वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से एक और गोल दागा। भारत ने हाफ टाइम तक 7-0 की मजबूत बढ़त बना ली।

इंडोनेशिया ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में अपना पहला गोल दागा। औलिया अल अर्द्ध ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 7-1 कर दिया। भारत ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में शिलानंद लकरा ने अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने अपनी हैट्रिक (37वें मिनट में) पूरी की। सुखजीत सिंह ने 38वें मिनट में गोल दागकर तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारतीय टीम की बढ़त को 10-1 तक पहुंचा दिया।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा। जुगराज सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के दूसरे प्रयास को गोल में तब्दील कर दिया, जबकि उनका पहला प्रयास डिफेंडर द्वारा रोक दिया गया था। सुखजीत सिंह ने 48वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद 49वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मैच का अपना चौथा गोल किया और भारत की बढ़त 13-1 कर दी। अंत में बचे हुए समय में इंडोनेशिया ने सर्कल में गेंद पर कब्जा बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। इंडोनेशिया के खिलाफ शानदार जीत के साथ भारत ने पूल ए में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत कर दी है। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में 22 सितंबर को श्रीलंका का सामना करेगी।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल में, एक और पदक पक्का

निशिन (जापान)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आइची-नागोया एशियन गेम्स-2026 के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम ने रविवार को सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत का एक और पदक पक्का हो गया है। अब 22 सितंबर को भारतीय महिला टीम का फाइनल मुकाबला श्रीलंका से होगा।बांग्लादेश की टीम 22 को ही पाकिस्तान के खिलाफ कांस्य पदक के लिए भिड़ेगी। श्रीलंका ने आज सुबह पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया था। भारतीय महिला टीम ने 2023 में हांगझोउ एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता था। इस बार भी टीम स्वर्ण पदक जीतना चाहेगी।

सेमीफाइनल मुकाबले की बात करें, तो भारतीय महिला टीम ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के शतक की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में महज 81 रन पर सिमट गई और 114 रन से हार गई। 196 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का चार रन के स्कोर पर पहला विकेट गिरा। सलामी बल्लेबाज जुवैरिया फिरदौस खाता नहीं खोल सकीं। तीसरे ओवर में शोभना मिस्त्री चार रन बनाकर आउट हुईं। बांग्लादेश को 38 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। निगार सुल्ताना नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। बांग्लादेश की एक के बाद एक बल्लेबाज आउट होती गईं। शोरना अख्तर 5 रन, दिलारा 27 रन, नाहिदा 4 रन, शर्मिन 10 रन, मारूफा 5 रन और सुल्ताना खातून ने नाबाद 12 रन बनाए। संजीदा और राबिया खान खाता भी नहीं खोल सकीं। भारत की ओर से नंदनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि श्री चारणी ने 2 विकेट, क्रांति गौड़ और श्रेयंका पाटिल ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 49 गेंद में नाबाद 100 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 9 छक्के लगाए। शेफाली के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंद में छह चौकों की मदद से 40 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों में 5 चौके और दो छक्कों की मदद से 37 रन की पारी खेली।

एशियाई खेलों में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं शेफाली वर्मा

निशिन (जापान)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने एशियाई खेल-2026 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिन्होंने एशियाई खेलों में शतक लगाया है। उन्होंने यह उपलब्धि रविवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल के दौरान हासिल की।

मुकाबले में दाएं हाथ की इस युवा सलामी बल्लेबाज ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उनकी इस विस्फोटक पारी में तीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। उनकी पारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश महिला टीम को 114 रनों के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

शेफाली वर्मा की इस विस्फोटक पारी ने उन्हें महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड बनाने में भी मदद की। वह एशियाई खेलों में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेट तो बनी हैं, साथ में कई अन्य उपलब्धि भी उन्होंने अपने नाम की है। सफ़ेद गेंद क्रिकेट में पहला शतक लगाकर शेफाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए शतक लगाने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले स्मृति मंधाना ने दो बार (वर्ष 2026 में 124 और वर्ष 2025 में 112 रन) और हरमनप्रीत कौर ने वर्ष 2018 में शतक (103 रन) लगाया था। शेफाली ने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक छक्कों की सूची में भी अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अब उनके नाम इस प्रारूप में 104 छक्के हो गए हैं और स्मृति मंधाना के 100 छक्के के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। शेफाली वर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने के मामले में हरमनप्रीत कौर की बराबरी कर ली। शेफाली और हरमनप्रीत ने 49 गेंदों में शतक लगाया है। एक कैलेंडर ईयर में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड शेफाली वर्मा ने अपने नाम कर लिया है। इस साल शेफाली के 815 रन हो गए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड स्मृति मंधाना के नाम था, जिन्होंने साल 2024 में 763 रन बनाए थे। इसके अलावा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में शेफाली एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज भी बनी हैं। उन्होंने साल 2026 में अब तक कुल 35 छक्के लगाए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका की चमारी अटापट्टू के नाम था। अटापट्टू ने साल 2024 में 32 छक्के लगाए थे।

सुचिका तारियाल ने एशियन गेम्स में पक्का किया पदक, बोलीं- यह पदक जिंदगी से भी ज्यादा महत्वपूर्ण

नई दिल्ली,एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) ने एशियन गेम्स में पहली बार दस्तक दी और भारत की सुचिका तारियाल ने इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बना दिया। 36 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने रविवार को महिलाओं की ट्रेडिशनल 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराकर पदक पक्का कर लिया। सुचिका अब सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं, जहां सोमवार को सिंगापुर की तेओ हुई हून के खिलाफ खेलेंगी।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले के बाद साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से खास बातचीत में सुचिका ने कहा कि एशियन गेम्स का पदक उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, परिवार और लंबे संघर्ष को दिया। सुचिका ने कहा, 'यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि यहां तक पहुंचने के लिए मैंने और मेरे कोचों ने बहुत कड़ी मेहनत की है। मेरे परिवार ने मुझ पर काफी पैसा खर्च किया है और मुझे हर संभव सहयोग दिया, ताकि मैं एक अच्छी एमएमए खिलाड़ी बन सकूं। इसलिए यह पदक मेरे लिए जिंदगी से भी ज्यादा मायने रखता है। सुचिका ने एशियन गेम्स में एमएमए के मुकाबलों को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स के स्तर पर मुकाबला बहुत कड़ा होता है, क्योंकि यहां ज्यादातर प्रो लेवल के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। स्कोरिंग भी अलग है, क्योंकि आप घुटनों और कोहनी का इस्तेमाल नहीं कर सकते। कभी-कभी इससे मदद भी मिलती है क्योंकि रिकवर करने के लिए समय मिल जाता है। चोट लगने की संभावना थोड़ी कम होती है, लेकिन यह बहुत टेक्निकल खेल है। हरियाणा के रोहतक की रहने वाली सुचिका एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आती हैं। सुचिका ने 12 साल की उम्र में छेड़छाड़ की एक घटना के बाद आत्मरक्षा सीखने के उद्देश्य से जूडो अपनाया। उन्होंने शुरुआत में नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने पालम स्थित दादा देव मंदिर सेंटर में अपनी ट्रेनिंग जारी रखी और बाद में साई भोपाल में अपने कौशल को और निखारा। मेहनत और लगातार अभ्यास के दम पर सुचिका ने जूडो में शानदार पहचान बनाई। वह आठ बार की राष्ट्रीय जूडो चैंपियन बनीं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत के लिए कई पदक जीते। उन्होंने 2019 कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप और 2019 दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा उन्होंने 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के -57 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां वह पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गई थीं।

नमन धीर की प्रतिभा के कायल इरफान पठान ने कहा, वह बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी भी कर सकते हैं

मुंबई,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल ऑलराउंडर नमन धीर की तारीफ की है। पठान का मानना है कि नमन धीर जैसे खिलाड़ी की भारतीय वनडे टीम में कमी महसूस होती रही है क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में अलग-अलग स्थानों पर योगदान देने के साथ-साथ उपयोगी गेंदबाजी भी कर सकते हैं। इरफान पठान ने जियो हॉटस्टार के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज' में नमन धीर के चयन पर अपनी राय रखी। भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए घोषित टीम में नमन का नाम भी शामिल रहा। इरफान ने नमन धीर की प्रतिभा की तारीफ करते हुए कहा कि मैं नमन धीर की बहुत तारीफ करता हूं। मुझे लगता है कि वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। घरेलू क्रिकेट में उनके अ' छे प्रदर्शन के अलावा, उन्हें उनकी गेंदबाजी की क्षमता की वजह से भी चुना गया है। उन्होंने आगे कहा कि नमन ऐसा बल्लेबाज है जो टीम की जरूरत के मुताबिक ऊपरी और निचले दोनों क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। साथ ही अ' छी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी कर सकता है। मुझे लगता है कि वनडे टीम में ऐसे खिलाड़ी की थोड़ी कमी रही है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने नमन धीर के चयन के पीछे टीम कॉम्बिनेशन को भी अहम वजह बताया। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स की वजह से वॉशिंगटन सुंदर उपलब्ध नहीं हैं और रियान पराग को चोट की समस्या रही है इसलिए अगर नमन को मौका मिलता है तो मैं उन्हें खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित रहूंगा। उनमें हुनर तो है लेकिन उनकी बल्लेबाजी से 'यादा उनकी गेंदबाजी की परीक्षा होगी। नमन धीर ने हाल ही में शेर-ए-पंजाब टी-20 में अ' छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने खिताब जीतने वाली अमृतसर सूरमास के लिए बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया। नमन ने टूर्नामेंट में 10 पारियों में 72.28 के औसत से 655 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 217.61 रहा। नमन धीर ने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं। इन मुकाबलों की 11 पारियों में उन्होंने ×9.00 के औसत से ×51 रन बनाए हैं। उनके नाम चार अर्धशतक हैं और उनका सर्वो' च स्कोर 97 रन है। गेंदबाजी की बात करें तो नमन ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 7 विकेट भी हासिल किए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए भी नमन धीर ने अपनी बल्लेबाजी की झलक दिखाई है। उन्होंने इस सीजन 14 मैचों में 26.50 के औसत और 147.22 के स्ट्राइक रेट से ×18 रन बनाए हैं। नमन ने आईपीएल में मुंबई के लिए कुल ×7 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्हें बल्ले से 710 रन निकले हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उप-कप्तान), ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

यूपीएल के तीसरे सीजन का आगाज सोमवार को, देहरादून में फिर दिखेगा टी-20 का रोमांच

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक बार फिर टी-20 क्रिकेट का खुमार चढ़ने वाला है। उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे सीजन का आगाज सोमवार (21 सितंबर) से रायपुर स्थित राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने जा रहा है। 11 दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में राज्य के दिग्गज और युवा खिलाड़ी एक ही मंच पर अपना हुनर दिखाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत सोमवार को महिला वर्ग के मुकाबलों के साथ होगी, जबकि पुरुष वर्ग के मैच 22 सितंबर से शुरू होंगे।

ओपनिंग सेरेमनी के साथ पहले दिन महिला वर्ग में दो मैच खेले जाएंगे। सुबह 11:00 बजे पिथौरागढ़ हरिकेन्स का सामना देहरादून वॉरियर्स से होगा, जबकि दोपहर 3:00 बजे बागेश्वर एरियल और मसूरी क्वींस की टीमें टकराएंगी। इसके बाद शाम को भव्य ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर अपनी प्रस्तुती देंगी। इसके साथ ही गढ़वाल से करिश्मा शाह व रुहान भारद्वाज, कुमाऊं से इंदर आर्य, जौनपुर से मंजू नौटियाल और जौनसार से अज्जू तोमर व अजय चौहान अपनी आवाज में स्थानीय लोक संगीत की छटा बिखेरेंगे। ओपनिंग सेरेमनी से पहले क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) की सचिव किरण वर्मा ने एक बयान में कहा कि यूपीएल उत्तराखंड में क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है और तीसरा सीजन इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। हमें विशेष रूप से खुशी है कि उद्घाटन समारोह क्रिकेट के साथ-साथ राज्य के प्रतिभाशाली कलाकारों को एक साथ लाएगा, जो उत्तराखंड की सच्ची भावना को दर्शाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष एवं सीएयू के पूर्व सचिव महीम वर्मा ने कहा कि यूपीएल ने उत्तराखंड के क्रिकेटरों को एक संरचित टी-20 माहौल में प्रतिस्पर्धा करने और बहुमूल्य अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। इसके साथ ही उद्घाटन समारोह हमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने का मौका देता है। हमें उम्मीद है कि यह सीजन खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए कई यादगार पल लेकर आएगा। यूपीएल के चेयरपर्सन सुनील जोशी ने कहा, 'तीसरा सीजन उत्तराखंड प्रीमियर लीग के लिए एक और महत्वपूर्ण अध्याय प्रस्तुत करता है।

अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का यह मेल बेहद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखने को देगा, वहीं महिला और पुरुष दोनों वर्ग खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका देंगे। हम टूर्नामेंट शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं और पूरे राज्य के क्रिकेट प्रेमियों से शानदार प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। महिला प्रतियोगिता में मसूरी क्वींस, बागेश्वर एरियल, पिथौरागढ़ हरिकेन्स और देहरादून वॉरियर्स की टीमें उतरेंगी, जिनकी कमान क्रमश: नंदिनी कश्यप, प्रेमा रावत, राघवी बिष्ट और श्वेता वर्मा जैसे आइकॉन खिलाड़ियों के हाथों में होगी। महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला 24 सितंबर को खेला जाएगा। पुरुष वर्ग की शुरुआत 22 सितंबर को शाम 7:30 बजे हरिद्वार एल्मास और नैनीताल टाइगर्स के बीच मुकाबले से होगी। इस सात टीमों की प्रतियोगिता में पिथौरागढ़ हरिकेन्स, यूएसएन इंडियंस, ऋषिकेश रिवर किंग्स, टिहरी टाइटन्स और देहरादून वॉरियर्स भी अपनी दावेदारी पेश करेंगी।

एक नजर

मैक्रों ने कनाडाई पीएम कार्नी का किया स्वागत, ऊर्जा और रक्षा सहयोग पर चर्चा

सेंट पियरे,एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का उत्तरी अटलांटिक स्थित फ्रांसीसी क्षेत्र सेंट पियरे और मिकेलॉन में स्वागत किया। कनाडा के तट से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित इस छोटे से द्वीपसमूह में हुई बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करना था। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय हुई है जब कनाडा और यूरोप के अमेरिका के साथ संबंधों में तनाव बना हुआ है। बैठक में ऊर्जा, खनिज, एयरोस्पेस और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दोनों देश क्वांटम तकनीक, उपग्रह और सुपरकंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी मजबूत करना चाहते हैं। मैक्रों ने सोशल मीडिया पर मुलाकात को दोनों देशों की दोस्ती और साझा हितों का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक संकटों के बीच फ्रांस और कनाडा की मित्रता दोनों देशों की ताकत है। सेंट पियरे और मिकेलॉन करीब 6,000 लोगों की आबादी वाला तीन द्वीपों का समूह है और उत्तरी अमेरिका में फ्रांस का एकमात्र शेष क्षेत्र है। मैक्रों की इस क्षेत्र की यात्रा 2014 में तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद के दौरे के बाद किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पहली यात्रा है।

इटली में सरकार की नई पहलः स्कूलों में बुर्का-नकाब पर रोक, विदेशी छात्रों के लिए नियम सख्त

मिलान। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि उनकी सरकार स्कूलों में चेहरा ढंकने वाले परिधानों पर रोक लगाने और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या की अधिकतम सीमा तय करने की तैयारी कर रही है। मेलोनी ने यह घोषणा अपनी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के युवा संगठन के वार्षिक कार्यक्रम में की। मेलोनी के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही मंत्रिमंडल के समक्ष एक प्रस्ताव रखा जाएगा। प्रस्ताव में प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने के साथ-साथ उन विदेशी छात्रों के अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा सीखने की व्यवस्था का प्रावधान होगा, जिनके बच्चों को स्कूल व्यवस्था में घुलने-मिलने में गंभीर कठिनाई हो रही है। उन्होंने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने की भी बात कही। मेलोनी ने तर्क दिया कि यदि किसी कक्षा में केवल एक बच्चा इतालवी भाषा नहीं समझता है तो शिक्षक और सहपाठी उसकी भाषा सीखने और स्कूल में घुलने-मिलने में मदद कर सकते हैं। लेकिन उनके अनुसार, यदि ऐसे बच्चों की संख्या बहुत अधिक हो जाए तो यह एकीकरण के बजाय उपेक्षा की स्थिति बन सकती है। प्रधानमंत्री ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि एक कक्षा में विदेशी छात्रों की अधिकतम संख्या कितनी निर्धारित की जाएगी। शोध संस्था फोंडाजियोने आईएसएमयू के अनुसार, इटली के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों में गैर-इतालवी नागरिकों की हिस्सेदारी 11.6 प्रतिशत है। दरअसल, इटली यूरोप में प्रवासियों के आगमन से प्रभावित प्रमुख देशों में शामिल है। ऐसे में आव्रजन और प्रवासियों का सामाजिक एकीकरण लंबे समय से देश की राजनीति में महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। खासकर मुस्लिम बहुल देशों से आने वाले प्रवासियों के एकीकरण, धार्मिक प्रतीकों और नागरिकता नियमों को लेकर वहां राजनीतिक बहस होती रही है।

रूस पर यूक्रेन का 1,000 से ज्यादा ड्रोन से हमला, मॉस्को में भी भारी नुकसान

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस पर रातभर में 1,000 से अधिक ड्रोन दागे, जिनमें सैकड़ों ड्रोन मॉस्को की ओर भेजे गए। यह राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। हमले में एक तेल रिफाइनरी और एक आवासीय इमारत को नुकसान पहुंचा है। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने रविवार को बताया कि ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हुई और 20 अन्य घायल हुए। मृतकों में 74 वर्षीय एक व्यक्ति और 44 वर्षीय एक महिला शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में विभिन्न प्रकार के ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इनमें यूक्रेन में निर्मित 'फ्लेमिंगो' और 'पेलिकन' मिसाइलें भी शामिल थीं। उनके मुताबिक, निशाने पर तेल और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सुविधाएं थीं। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि तेल और लॉजिस्टिक्स ढांचे को निशाना बनाकर रूस की युद्ध मशीन को वित्तीय दबाव में लाने की कोशिश की जा रही है। जेलेंस्की के अनुसार शनिवार को रूस के एक ड्रोन हमले में खेरसॉन क्षेत्र के एक मठ को नुकसान पहुंचा, जिसमें पादरी वर्ग के एक सदस्य की मौत हुई और चार लोग घायल हुए।

नेपाल में त्रिशूली जलविद्युत परियोजना की सुरंग से निकाले गए 24 शवों की नहीं हो पाई पहचान

काठमांडू। नेपाल में आई आई भीषण बाढ़ के कारण त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना की सुरंग से निकाले गए 24 शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसके लिए पुलिस ने सूचना जारी कर वहां कार्यरत कर्मचारियों के परिजनों को शवों की पहचान करने का आग्रह किया है। जिला पुलिस कार्यालय नुवाकोट के पुलिस प्रवक्ता एवं पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) इकबाल हवारी के अनुसार रसुआ जिले में स्थित 216 मेगावाट क्षमता वाली त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना की सुरंग से पिछले 2 दिनों में कुल 24 शव निकाले गए। सुरंग से निकाले गए शवों को नेपाली सेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से नुवाकोट के विदुर नगरपालिका स्थित केंद्रीय कारागार कार्यालय, खम्बाक्याम्प परिसर लाया गया है। डीएसपी हवारी ने बताया कि बाढ़ के बाद से लंबे समय से लापता चल रहे लोगों के ये शव हो सकते हैं, इसलिए पहचान के लिए परिजनों से आवश्यक सहयोग करने का अनुरोध किया गया है। शवों की शिनाख्त और आवश्यक समन्वय के लिए पुलिस निरीक्षक आशिष साह से मोबाइल नंबर 9855091757 पर संपर्क किया जा सकता है।

हूती का सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

रियाद,एजेंसी। ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई संवेदनशील स्थानों पर हमले किए हैं। इनमें राजधानी रियाद और यानबू बंदरगाह शहर में स्थित अरामको की तेल सुविधा शामिल है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया। साथ ही बिश, ताइफ़, फ़रासान और यानबू पर किए गए अन्य हमलों को विफल कर दिया। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में यह जानकारी दी। सरी के अनुसार, सऊदी अरब के दो अहम ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। यह पहली बार है जब हूती ने महीनों बाद क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हूती ने कहा है कि वह सऊदी अरब की सबसे कीमती संपत्ति अरामको ऑयल फैसिलिटी को निशाना बनाएगा।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने शनिवार को कहा, 'राजधानी सना को निशाना बनाने की सऊदी की कोशिश के जवाब में दो सफल सैन्य अभियान चलाए गए।' उन्होंने कहा, 'पहला हमला सऊदी राजधानी रियाद में संवेदनशील ठिकानों पर और दूसरा यानबू में अरामको की सुविधाओं पर किया गया। यानबू पर हमला अहम है। यह लाल सागर के तट पर स्थित है, लेकिन यमन और सऊदी अरब की सीमा से लगभग 700 मील उत्तर में है। रियाद भी सीमा से 700 मील से ज्यादा दूर है। इससे साफ है कि हूती अब सऊदी अरब में काफी नजदीक से हमला कर रहे हैं। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रियाद पर हमले के लिए हूती की कड़ी निंदा की गई है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हमले सऊदी अरब की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं। मिस्र ने भी कहा कि हूती हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन है। बहरीन ने इन कृत्यों को आतंकवादी कार्रवाई करार दिया। जॉर्डन ने कहा कि यह हमले सऊदी अरब की सुरक्षा, स्थिरता और उसकी सुरक्षा के लिए खतरा है और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सऊदी अरब पर हमलों की निंदा की है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सऊदी अरब पर हूती हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए और ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा। 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद यमन में बड़े पैमाने पर लड़ाई रुक गई थी, लेकिन अब फिर से शुरू हुई यह लड़ाई तनाव में बड़ी बढ़ोतरी को दर्शाती है।

ईरान की अमेरिका से वार्ता के लिए सात शर्तें, ट्रंप मंगलवार को करेंगे चर्चा

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें बताई हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मानता है तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा कि कतर ने ईरान की शर्तें वाशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। तेहरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहा है।

अल जजीरा, शिन्हुआ, गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रेजाई ने कहा, 'हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के मकसद से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचाई हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।' रेजाई के मुताबिक शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, ईरान के फ्रीज फंड जारी करना और नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शामिल है। रेजाई ने एक्स पर लिखा कि अगर वाशिंगटन खुद बनाई मुश्किल से निकलना चाहता है, तो उसके पास ईरान के अधिकार और शर्तें मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। रेजाई ने अमेरिका के एक और हमले की पूरी संभावना जताई और कहा कि पिछले दौर की दो लड़ाई के बाद ईरान की सैन्य योजना बदली है। उनके अनुसार योजना अब खाड़ी से ओमान की खाड़ी और अरब सागर तक फैले अमेरिकी नौसैनिक संसाधनों पर केंद्रित है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल ही में अमेरिकी जहाज या एयरक्राफ्ट कैरियर के पास मल्टी-वॉरहेड एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे की प्रतिक्रिया व्यापक हो सकती है, जिसमें क्षेत्र के अमेरिकी ठिकाने, व्यावसायिक हित और स्थानीय कंपनियां भी निशाने पर आ सकती हैं। पिछले महीने एक समझौता ज्ञापन की समय-सीमा खत्म होने के बाद से कतर और पाकिस्तान बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं।

यह संघर्ष फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद शुरू हुआ था। रेजाई ने कहा कि तेहरान संघर्ष को जितनी जल्दी हो सके खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इस बीच मोहसिन रेजाई ने शनिवार को एक साक्षात्कार में कहा कि उनका देश अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की ओर से जारी उस धार्मिक आदेश का अभी भी पालन करता है, जिसमें परमाणु हथियार विकसित करने पर रोक लगाई गई है। मोहसिन रेजाई ने कहा, 'हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा।'

दीपावली छठ के बाद नेपाल सरकार के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में प्रचंड

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के संयोजक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने कहा है कि उनकी पार्टी सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ के बाद देश की परिस्थितियों को देखते हुए नए आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। रविवार को किसान महासंघ से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रचंड ने सरकार पर दमन, ज्यादती और अत्याचार शुरू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कथित दमन के खिलाफ व्यापक संयुक्त मोर्चा बनाकर आंदोलन करने की आवश्यकता है और उनकी पार्टी इसकी तैयारी कर रही है। प्रचंड ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि आंदोलन की तैयारी के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ लगातार बातचीत की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि ये बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर 'प्रतिगमन' को पराजित करने और क्रांति को नई ऊंचाई तक ले जाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रचंड के अनुसार, उनकी पार्टी फिलहाल इसी प्रक्रिया में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दशैं और तिहार के बाद देश की स्थिति का आकलन करने के बाद नया आंदोलन शुरू किया जाएगा। इससे पहले भी प्रचंड ने विपक्षी दलों को संसद के भीतर एकजुट करने और सरकार के खिलाफ व्यापक मोर्चा बनाने की बात कही थी।

नेपाल में 24 से 28 सितंबर के बीच भारी बारिश की आशंका, मौसम विशेषज्ञों ने सतर्कता की सलाह दी

काठमांडू,एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव क्षेत्र के प्रभाव से 24 से 28 सितंबर के बीच नेपाल के विभिन्न हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का पूर्वानुमान लगाया गया है। मौसम विशेषज्ञों ने कुछ इलाकों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए लोगों से पहले से तैयारी करने और सतर्क रहने की अपील की है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के जलविज्ञानी एवं मौसम विशेषज्ञ बिनोद पोखरेल ने बताया कि विभिन्न मौसम पूर्वानुमान मॉडलों के अध्ययन से 24 से 28 सितंबर के बीच पूरे नेपाल में बारिश की मजबूत संभावना दिखाई दे रही है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि कुछ मॉडलों में इस अवधि के दौरान 400 मिलीमीटर से अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया है। कुछ परिस्थितियों में यह आंकड़ा 741 मिलीमीटर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इतनी बारिश पूरे देश में समान रूप से नहीं होगी बल्कि कुछ खास क्षेत्रों में इसका प्रभाव अधिक हो सकता है।

पोखरेल ने कहा कि उन्होंने कई पूर्वानुमान मॉडलों का अध्ययन करने के बाद ही यह अनुमान सार्वजनिक किया है। उनका उद्देश्य लोगों को डराना नहीं बल्कि समय रहते तैयारी के लिए सचेत करना है। उनके अनुसार, उत्तर-पश्चिमी भारत से मानसून की वापसी के दौरान वहां से आने वाली शुष्क हवाएं बंगाल की खाड़ी से आगे बढ़ रहे कम दबाव के क्षेत्र की दिशा और गति को प्रभावित कर सकती हैं। इसके कारण इसका प्रभाव नेपाल की ओर बढ़ सकता है और कुछ इलाकों में भारी बारिश का खतरा बढ़ सकता है।

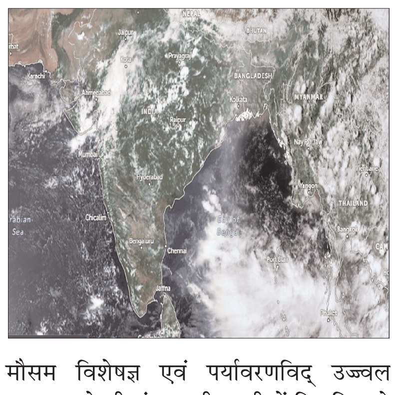

मौसम विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् उज्ज्वल उपाध्याय ने भी बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रही मौसम प्रणाली पर करीबी नजर रखने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध अधिकांश मौसम मॉडलों में 24 से 28 सितंबर के बीच गंभीर स्थिति के संकेत मिल रहे हैं। उपाध्याय के अनुसार, 26 सितंबर को जोखिम सबसे अधिक रहने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, उन्होंने लोगों को मौजूदा पूर्वानुमान को अंतिम नहीं मानने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि 24 से 26 सितंबर के बीच संभावित भारी बारिश की तीव्रता कम होने की अभी भी उम्मीद है। उन्होंने पिछले साल नवंबर में आए 'मोंथा' चक्रवात का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत के पूर्वी तट पर शक्तिशाली रहने के बावजूद नेपाल पहुंचने तक यह कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया था और अनुमान की तुलना में नेपाल में इसका नुकसान काफी कम हुआ था। उपाध्याय ने लोगों से संभावित खतरे को लेकर घबराने के बजाय अधिक सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र को छोड़कर अन्य इलाकों में 24, 25 और 26 सितंबर को लंबी दूरी की यात्रा को टालना उचित बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बारिश कितनी तीव्र होगी और कौन-कौन से इलाके सबसे अधिक प्रभावित होंगे। नेपाल के जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रही मौसम प्रणाली की लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग के वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ बरुण पौडेल ने बताया कि ऐसी मौसम प्रणालियां कई बार कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल जाती हैं और अपनी दिशा भी बदल सकती हैं। इसलिए विभाग इस प्रणाली पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस मौसम प्रणाली के नेपाल पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। इसके बाद विभाग आधिकारिक सूचना जारी कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएगा। पौडेल ने कहा कि सोशल मीडिया पर 24 से 28 सितंबर के बीच भारी बारिश को लेकर चर्चा बढ़ रही है लेकिन बारिश की वास्तविक मात्रा, उसका भौगोलिक विस्तार और जोखिम के स्तर का स्पष्ट आकलन करने के लिए अभी कुछ और दिन इंतजार करना होगा। कम दबाव का क्षेत्र किस तरह विकसित होता है और आने वाले दिनों में इसकी दिशा तथा ताकत में क्या बदलाव आता है, इसी से नेपाल पर इसके वास्तविक प्रभाव का पता चलेगा। मौसम विशेषज्ञों ने कहा है कि यदि पूर्वानुमान के अनुसार बारिश होती है तो इसका असर कृषि क्षेत्र, खासकर खेतों में तैयार हो रही पकी धान की फसल पर भी पड़ सकता है।

नेपाल : बाढ़ के बाद नुवाकोट में हैजा का खतरा बढ़ा, 77 हजार लोगों को दी जाएगी ओरल वैक्सीन

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के नुवाकोट जिले में हाल की बाढ़ के बाद हैजा फैलने की आशंका को देखते हुए ओरल कॉलरा वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत अबतक 50 हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन दी जा चुकी है। प्रभावित क्षेत्रों में 77 हजार से अधिक लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान जनस्वास्थ्य कार्यालय, नुवाकोट ने महामारी एवं रोग नियंत्रण प्रभाग के समन्वय में शुरू किया है। इसका उद्देश्य 26 अगस्त को आई भोटेकोशी बाढ़ के बाद पेयजल और स्वच्छता की स्थिति खराब होने के कारण हैजा तथा अन्य जलजनित बीमारियों के प्रसार को रोकना है। जनस्वास्थ्य कार्यालय की प्रमुख डॉ. अंजु कार्की ने कहा कि टीकाकरण के साथ सुरक्षित पेयजल का इस्तेमाल, व्यक्तिगत स्वच्छता और आसपास के वातावरण को साफ रखना भी बेहद जरूरी है।

बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं और होल्डिंग सेंटरों में रह रहे हैं। इन स्थानों पर पर्याप्त स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने के कारण हैजा का खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय जलस्रोतों में ई. कोलाई पाए जाने से जलजनित बीमारियों को लेकर चिंता और बढ़ गई है। बाढ़ के बाद विदुर नगरपालिका में हाल ही में किए गए पानी के परीक्षण में 15 स्थानीय जल नमूनों में से 5 में ई. कोलाई का संक्रमण पाया गया। स्थिति को देखते हुए शुरू किए गए आपातकालीन टीकाकरण अभियान में एक वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य केंद्रों और होल्डिंग सेंटरों पर वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, नगरपालिकाओं में अब तक 40,291 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं, जहां बाढ़ के बाद संक्रमण का जोखिम अधिक है। यह टीकाकरण अभियान सात दिनों तक जारी रहेगा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से वैक्सीन लगवाने तथा हैजा के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की अपील की है। अधिकारियों ने लोगों को पीने के पानी को उबालकर या शुद्ध करके इस्तेमाल करने, खाना बनाने की जगहों को साफ रखने और रहने के स्थान पर स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी है, ताकि बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके।

मेयर ने कहा- रूस की राजधानी में अब तक का हुआ सबसे बड़ा हमला, रिफाइनरी को क्षति, दो की मौत, यूक्रेन के कई सौ ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा है कि यूक्रेन ने फरवरी, 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद राजधानी में अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले में दो लोगों की जान चली गई। इस दौरान यूक्रेन के कई सौ ड्रोन को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने संसदीय चुनाव में बाधा डालने के इरादे से यह हमला किया। स्काई न्यूज और तास की रिपोर्ट के अनुसार मेयर सोबयानिन ने कहा कि रूसी राजधानी पर जारी ड्रोन हमले के कारण मॉस्को रिफाइनरी परिसर में एक सुविधा को नुकसान पहुंचा है। मेयर ने मैक्स मैसेंजर पर लिखा, 'दुश्मन के ड्रोन से मॉस्को पर हमला जारी है। मॉस्को ऑयल रिफाइनरी परिसर में एक सुविधा को नुकसान पहुंचा है, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।' उन्होंने कहा कि बचाव और राहत कर्मी मौके पर हैं।

रिपोर्ट के अनुसार रविवार आधी रात (मॉस्को समय) से मॉस्को की ओर आ रहे 338 ड्रोन को रूसी एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिया। मेयर ने कहा कि रूसी रक्षा मंत्रालय की एयर डिफेंस फोर्स ने मॉस्को की ओर आ रहे 152 और ड्रोन को नष्ट कर दिया है। उन्होंने मैसेजिंग ऐप पर लिखा, 'जिन इलाकों में ड्रोन का मलबा गिरा है, वहां बचाव दल काम कर रहे हैं।' इससे पहले मेयर ने कहा था कि मॉस्को आते समय 186 ड्रोन को मार गिराया गया। फरवरी, 2022 में यूक्रेन के खिलाफ रूस की पूरी ताकत से शुरू हुई जंग के बाद यह पहला संसदीय चुनाव है। माना जा रहा है कि क्रेमलिन इसे पुतिन की नीतियों और युद्ध के लिए जनता के समर्थन के सबूत के तौर पर पेश करेगा। यह युद्ध अब पांचवें साल में है और इसके जल्द खत्म होने के कोई आसार नहीं हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समर्थन वाली सत्ताधारी 'यूनाइटेड रशिया' पार्टी के संसद के निचले सदन, 450 सीटों वाली 'स्टेट ड्यूमा' पर अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है। अभी उसके पास 310 सीटें हैं। उसे दूसरी पार्टियों के समर्थन के बिना संविधान में बदलाव करने की क्षमता बनाए रखने के लिए कम से कम 300 सीटें जीतनी होंगी। संभवतः आज शाम 7 बजे (यूके समय के अनुसार) शुरुआती नतीजे आने लगेंगे और कल तक पूरे नतीजे आ जाएंगे। रूस की एकमात्र पार्टी 'याब्लोको' खुलकर शांति की बात करती है। उसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। बैलेट पेपर पर मौजूद सभी 10 पार्टियां युद्ध का समर्थन करती हैं। पुतिन ने चुनाव शुरू होने से पहले टीवी पर अपने संबोधन में कहा, 'आपकी पसंद और आपकी इच्छा एक बार फिर दिखाएगी कि लाखों लोग हमारे सैनिकों के साथ खड़े हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'कल रात मॉस्को इलाके में हमारे लंबी दूरी के हमलों का बहुत बड़ा असर हुआ। रूस के तेल उद्योग के एक अहम ठिकाने और लॉजिस्टिक्स ठिकाने को निशाना बनाया गया।

एक नजर

बंगाल में 'माओ ब्रिगेड' पर शिकंजा, गिरफ्तार माओवादी दंपति को आठ दिनो की पुलिस रिमांड

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सक्रिय माओवादी नेटवर्क के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थानांतर्गत सरबेड़िया गांव से पुलिस ने माओवादी दंपती को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पतित माहातो उर्फ पप्पू उर्फ मंगल उर्फ समीर उर्फ पांडे और उसकी पत्नी मलिना मुर्मू उर्फ मालती उर्फ माला के रूप में हुई है।दोनों को आज अदालत में पेश किया गया। अदालत ने मामले की जांच और पूछताछ के लिए दोनों को आठ दिनों की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हाल ही में माओवादी आकाश की गिरफ्तारी के बाद मंगल और मालती जंगल में अपने हथियार छोड़कर एक गिरफ्तार साथी के रिश्तेदार के घर में छिप गए थे। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को शालबनी के सरबेड़िया गांव में अभियान चलाकर दोनों को अपने कब्जे में लिया। पुलिस अब रिमांड के दौरान दोनों से माओवादी संगठन में उनकी भूमिका, उनके संपर्कों, हथियारों तथा जंगल में सक्रिय नेटवर्क को लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी थाना क्षेत्र के रंझा गांव का रहने वाला पतित माहातो उर्फ मंगल प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की सब-जोनल कमेटी का सदस्य बताया जाता है। उसे संगठन में एक लड़ाके के तौर पर जाना जाता था। झारखंड पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वहीं, मंगल की पत्नी मलिना मुर्मू उर्फ मालती झाड़ग्राम जिले के बेलपहाड़ी इलाके के पाथरनासा गांव की निवासी बताई जाती है। पुलिस के अनुसार, वह माओवादी संगठन की एरिया कमेटी की सदस्य रही है। झारखंड पुलिस ने उस पर भी दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। बताया जाता है कि जंगल में सशस्त्र गतिविधियों के दौरान मंगल के पास एके-47 और मालती के पास इंसास राइफल रहती थी। दोनों की गिरफ्तारी को पश्चिम बंगाल और झारखंड में सक्रिय माओवादी नेटवर्क के खिलाफ पुलिस की अहम कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

कुड़माली और राजबंशी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करेंगे : शुभेंदु अधिकारी

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को पुरुलिया में आयोजित करम पर्व के कार्यक्रम में कुड़माली और राजबंशी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसे पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुड़मी समाज की लंबे समय से चली आ रही मांगों को उनकी सरकार पूरा करेगी। उन्होंने आंदोलन के दौरान कुड़मी समुदाय के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का भी आश्वासन दिया। अधिकारी ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान आंदोलन के समय पुलिस का इस्तेमाल किया गया और कई मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कुड़मी समाज से किए गए संकल्प-पत्र के वादों को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संथाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का काम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कुड़मी और राजबंशी भाषाओं को भी आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए पहल करेगी। उन्होंने कुड़मी विकास परिषद को फिर से सक्रिय करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री के अनुसार, पिछली सरकार ने परिषद के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जबकि वर्तमान सरकार ने 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। जरूरत पड़ने पर राशि और बढ़ाई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि पश्चिमांचल विकास विभाग उनके पास है और विभाग के लिए आवंटित सोलह सौ करोड़ रुपये पश्चिमांचल के विकास पर खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुड़मी समाज के प्रतिनिधियों के साथ 30 सितंबर को नवान्न में बैठक भी होगी। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू प्रमुख सुदेश महतो भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने आदिवासी कुड़मी समाज के नेता अजीत महतो के साथ करम वृक्ष का पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से संबंधित आयोग गठित किया गया है और कुड़मी समाज को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा गया है। उन्होंने भाषा, संस्कृति, परंपरा और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर समाज को भरोसा दिलाया।

देवभूमि की लोक संस्कृति हमारी पहचान एवं नई पीढ़ी को जड़ो से जोड़ना सामूहिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

बद्रीनाथ,एजेंसी। श्री बदरीनाथ धाम के टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में भारतीय सेना एवं जिला प्रशासन चमोली के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन सद्भावना के तहत आयोजित दो दिवसीय 'देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल-2026' का रविवार को समापन हुआ। 'हमारी विरासत, हमारा भविष्य' थीम पर आयोजित महोत्सव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले बामणी गांव पहुंचकर नंदा अष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित उत्सव में ग्रामीणों के साथ प्रतिभाग किया। उन्होंने ग्रामीणों को नंदा अष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए देवभूमि की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने महोत्सव परिसर में लगाए गए स्थानीय उत्पादों, महिला स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों एवं अन्य प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों एवं पहाड़ी व्यंजनों की जानकारी ली और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को पर्यटन से जोड़ने से सीमांत क्षेत्रों में आजीविका और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने

भारतीय सेना द्वारा लगाई गई सैन्य प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया तथा अत्याधुनिक हथियारों एवं सैन्य उपकरणों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी युवाओं को भारतीय सेना की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के साथ ही उनमें राष्ट्र सेवा और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए भगवान बदरीविशाल की पावन धरा पर आयोजित इस सांस्कृतिक महोत्सव में सेना के वीर जवानों, अधिकारियों, स्थानीय नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, कलाकारों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की आत्मा उसकी लोक संस्कृति में बसती है। इस अवसर पर जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमान लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, जीओसी उत्तर भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल डी.जी. मिश्रा, दर्जा मंत्री हरक सिंह, ब्रिगेडियर गौरव बत्रा, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, सलाहकार चारधाम माधव प्रसाद सेमवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह बर्त्वाल, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह रावत, भाजपा जिला महामंत्री विनोद कनवासी, व अरुण मैठाणी, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार सहित भारतीय सेना के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, युवा, विद्यार्थी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथि उपस्थित रहे।

शिक्षा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण से ही बनेगा स्वस्थ समाज : राज्यपाल

धनबाद,एजेंसी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को धनबाद स्थित आईआईटी (आईएसएम) में आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। पेनमैन हॉल में वनबंधु परिषद, धनबाद चैप्टर की महिला समिति की ओर से आयोजित एकल अभियान आचार्य एवं व्यास सम्मान समारोह में राज्यपाल ने कहा कि ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और जागरूकता पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि एकल विद्यालयों की यात्रा धनबाद से शुरू होकर आज देशव्यापी अभियान का रूप ले चुकी है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन मूल्यों का होना भी जरूरी है। एकल अभियान के माध्यम से दूरदराज के गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वावलंबन और सामाजिक चेतना विकसित करने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की। उन्होंने आचार्यों, कथाकारों और अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि धनबाद से शुरू हुई यह सेवा यात्रा अधिक से अधिक गांवों तक शिक्षा और संस्कार का प्रकाश पहुंचाए।

वहीं, आईआईटी (आईएसएम) के गोल्डन जुबली हॉल में आरोग्य भारती और आईआईटी (आईएसएम) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यशाला में राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें समाज, शैक्षणिक संस्थानों, वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, उद्योगों और आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हैं तथा स्वच्छ पानी, पौष्टिक भोजन, संतुलित जीवनशैली और स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के आधार हैं।

राज्यपाल ने जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जैव विविधता संरक्षण को बड़ी चुनौती बताते हुए पानी और ऊर्जा बचाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने आईआईटी (आईएसएम) जैसे तकनीकी संस्थानों से जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण अनुकूल तकनीक के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने की अपील की।

आईआईटी (आईएसएम) के

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,410 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह हाजिर चांदी के भाव में भी आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी दिखाता रहा। कीमत में आए उछाल के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक चढ़ गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वाराणसी में 30 लाख के इनामी नक्सली सुप्रीमो का एनकाउंटर, 20 साल से था फरार, 50 से ज्यादा दर्ज हैं मुकदमे

वाराणसी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्त नीति के बीच यूपी एटीएस ने रविवार को वाराणसी में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के सुप्रीमो बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता उर्फ सरदार जी को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। लगभग 20 वर्षों से फरार चल रहे बृजेश गंझू पर झारखंड पुलिस और एनआईए ने कुल 30 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, रंगदारी, आगजनी, आपराधिक षड्यंत्र और लोकसेवकों पर हमले समेत 50 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। इसमें आम नागरिकों और पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले भी शामिल हैं। वहीं, डीजीपी राजीव कृष्ण ने मुठभेड़ में शामिल एटीएस की टीम को 2 लाख का पुरस्कार देने की घोषणा की है। यूपी एटीएस को सूचना मिली थी कि झारखंड के नक्सली उत्तर प्रदेश की सीमा में आने वाले हैं। टीएसपीसी सुप्रीमो बृजेश गंझू भेष बदलकर अलग-अलग राज्यों में छिपते हुए सुरक्षा एजेंसियों से बच रहा है और अपने साथी के साथ वाराणसी की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर एटीएस की टीमों को वाराणसी से जुड़े मिर्जापुर और सोनभद्र के सीमावर्ती क्षेत्रों व संभावित आवागमन मार्गों पर सक्रिय किया गया।

एटीएस को देखते ही शुरू कर दी फायरिंग

रविवार की भोर में सूचना मिली कि बृजेश वाराणसी में प्रवेश कर चुका है और रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान की ओर बढ़ रहा है। एटीएस की टीमें लंका मैदान के आस-पास तैनात हो गईं। इसी दौरान जीटी रोड की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर दो लोग आते दिखाई दिए। उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो मोटरसाइकिल सवारों ने एटीएस टीम पर फायरिंग

शुरू कर दी। मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे डिप्टी एसपी विपिन कुमार राय और मुख्य आरक्षी नितेंद्र कृष्ण को भी गोली लगी, लेकिन दोनों ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी, जिससे उनकी जान बच गई। जवाबी कार्रवाई में बृजेश गंझू को भी गोली लगी और उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला। घायल बृजेश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बृजेश गंझू पर 25 लाख रुपये झारखंड पुलिस और 5 लाख रुपये का इनाम एनआईए ने जारी किया था। वह एनआईए के केस आरसी-6/2018 और आरसी-22/2018 में भी वांछित था। इसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, आपराधिक षड्यंत्र, रंगदारी, आगजनी, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, लोकसेवकों पर हमला करने, अवैध हथियार और विस्फोटक रखने से जुड़े 50 से अधिक मामले दर्ज थे। बृजेश के खिलाफ यूए(पी)ए यानि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं में भी मुकदमे दर्ज थे।

सीपीआई (माओवादी) से टीएसपीसी तक पहुंचा

बृजेश पहले सीपीआई (माओवादी) से जुड़ा था और बाद में टीएसपीसी का सुप्रीमो बनकर हिंसक नक्सली गतिविधियों में सक्रिय हो गया। मुठभेड़ के बाद मौके से दो पिस्टल, एक कार्बाइन, भारी मात्रा में कारतूस और एक लाख रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं यूपी एटीएस इससे पहले टीएसपीसी के सब-जोनल कमांडर उमेश उर्फ नगीना को भी गिरफ्तार कर चुकी है, जिस पर झारखंड में पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। नक्सली कमांडर बृजेश गंझू मूल रूप से चतरा जिले के लूटू गांव का रहना वाला था। हालांकि, काफी समय से ठिकाने और नाम बदल-बदल कर रह रहा था। पुलिस रिकॉर्ड में उसके गोपाल सिंह भोक्ता, दुलारचंद गंझू, रंजन, फुलचंद गंझू और सरदार जैसे नाम भी दर्ज हैं। बृजेश के पिता पंचू गंझू की काफी पहले ही मौत हो चुकी है। वह लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था। सिर्फ चतरा में ही उस पर 39 केस दर्ज थे। पहले वह बीड़ी पत्ता के ठेकेदारों से वसूली करता था। उसने अपना नेटवर्क बिहार के कुछ हिस्सों में भी फैलाया। वर्ष 2010 में वह लावालौंग पंचायत से निर्विरोध मुखिया चुना गया था।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली जारी, सितंबर के पहले तीन सप्ताह में बेचे 20,974 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर के महीने में लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए नजर आ रहे हैं। इसके पहले एफपीआई जुलाई और अगस्त में लगातार लिवाल (बायर) की भूमिका में बने रहे थे। दो महीने तक लगातार खरीदारी के बाद अब सितंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से दूरी बनानी शुरू कर दी है। सितंबर के पहले तीन कारोबारी सप्ताह में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 20,974 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) साल 2026 में ज्यादातर समय तक बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे हैं। फरवरी, जुलाई और अगस्त के अलावा 2026 के शेष सभी महीनों में विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करके घरेलू शेयर बाजार से अपना पैसा निकालते रहे हैं। खासकर, मार्च के महीने में विदेशी निवेशकों ने जोरदार बिकवाली की। इसके बाद जुलाई के पहले के लगातार तीन महीने यानी जून, मई और अप्रैल में भी एफपीआई घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए थे। जुलाई के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की। इस महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 20,199 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इसी तरह अगस्त के महीने में भी विदेशी निवेशकों की लिवाली का आंकड़ा बिकवाली के आंकड़े से अधिक का रहा। इस महीने के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया। साल 2026 में जुलाई और अगस्त में हुई खरीदारी के पहले सिर्फ फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक खरीदार की भूमिका में नजर आए थे। फरवरी में एफपीआई ने कुल 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अगर साल 2026 की शुरुआत से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली और बिकवाली की बात करें तो सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। फरवरी में एफपीआई ने बिकवाली की जगह लिवाली पर जोर दिया। इस महीने इन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया। मार्च में एक बार फिर स्थिति बदल गई। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में लगातार चौतरफा बिकवाली कर रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी की। अप्रैल में भी एफपीआई की ओर से हो रही बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। इसके बाद मई के महीने में भी एफपीआई ने स्टॉक मार्केट में 32,963 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए। जून में भी एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की। इसके बाद जुलाई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 20,199 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जबकि अगस्त में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 30,919 करोड़ रुपये डाले। इसके बाद सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण इस महीने उनकी बिकवाली का आंकड़ा 20,974 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। इन आंकड़ों से साफ है कि 2026 में जनवरी से लेकर सितंबर के तीसरे सप्ताह तक के कारोबार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ज्यादातर समय बिकवाल की भूमिका में ही बने रहे हैं। फरवरी, जुलाई और अगस्त में एफपीआई द्वारा की गई खरीदारी के बावजूद जनवरी से लेकर अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लिवाली और बिकवाली मिलाकर घरेलू शेयर बाजार से 2,43,353 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं।

29 हजार में खरीदा गणपति के आकार का हीरा, आज कीमत का दावा 700 करोड़ रुपये

सूरत। हीरों के शहर सूरत में प्राकृतिक हीरों से जुड़ी कुछ ऐसी कहानियां भी हैं, जिनमें कारोबार के साथ आस्था का अनोखा मेल दिखाई देता है। सूरत के कतारगाम निवासी हीरा कारोबारी राजेश पांडव और कनुभाई आसोदरिया के पास गणपति के स्वरूप वाले दुर्लभ हीरे हैं। इनमें से एक हीरे को राजेश पांडव ने वर्ष 2005 में महज 29 हजार रुपये में खरीदा था। आज इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 700 करोड़ रुपये होने का दावा किया जाता है।

वर्ष 2005 में राजेश पांडव आर्थिक संघर्ष के दौर से गुजर रहे थे और हीरा दलाली का काम कर परिवार का गुजारा करते थे। महिधरपुरा हीरा बाजार में दक्षिण अफ्रीका से आया एक कच्चे हीरों का पैकेट बिक्री के लिए आया। हीरों की जांच के दौरान उनकी नजर एक ऐसे पारदर्शी पत्थर पर पड़ी, जिसमें उन्हें गणपति का स्वरूप दिखाई दिया। राजेश पांडव ने इसे सामान्य सफेद क्रिस्टल मानने के बजाय गणपति का स्वरूप मानकर खरीदने का फैसला किया। आर्थिक स्थिति कठिन होने के बावजूद उन्होंने रिश्तेदारों और परिचितों से पैसे उधार लेकर इसे 29 हजार रुपये में खरीद लिया। बताया

जाता है कि इस हीरे की लंबाई करीब 2.44 सेंटीमीटर और वजन लगभग 27.74 कैरेट है। परिवार ने इस हीरे को घर में श्रद्धापूर्वक स्थापित किया और इसकी पूजा शुरू कर दी। राजेश पांडव के अनुसार, इसके बाद उनके कारोबार में लगातार प्रगति हुई। आज वे केवल हीरा दलाली तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कतारगाम में अपना हीरा पॉलिशिंग और निर्माण का कारोबार संचालित करते हैं। उनके बच्चे भी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद कारोबार में उनका साथ दे रहे हैं। राजेश पांडव का कहना है कि कई बड़े कारोबारी इस हीरे को खरीदने में रुचि दिखा चुके हैं, लेकिन उन्होंने सभी प्रस्ताव ठुकरा दिए। उनके अनुसार 'गणपति के साथ हमारी आस्था जुड़ी है। इसकी कोई कीमत नहीं हो सकती। परिवार इस हीरे की नियमित पूजा करता है। गणेश उत्सव और विशेष धार्मिक अवसरों पर इसे सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाता है। सूरत के हीरा कारोबारी कनुभाई आसोदरिया के पास भी गणपति के स्वरूप वाला एक दुर्लभ कच्चा हीरा है, जिसे उन्होंने 'करम गणेशा' नाम दिया है। बताया जाता है कि वर्ष 2002 के आसपास कनुभाई बेल्जियम से कच्चे हीरों का बड़ा खेप लेकर सूरत आए थे। इसी दौरान उनके पिता ने सपने में गणेशजी के दर्शन होने की बात कही। इसके बाद जब परिवार ने हीरों को ध्यान से देखा तो एक हीरे में गणेशजी का स्पष्ट स्वरूप दिखाई दिया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)